बुधवार, 03 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

दैनिक
सिटी न्यूज
सच का जोश
मुंबई

वर्ष 13 • अंक: 132 CITY NEWS MUMBAI

मराठा आरक्षण उपसमिति की अहम बैठक, मुख्यमंत्री ने जारांगे पाटिल को भेजा निमंत्रण पत्र

मुंबई. इस समय राज्य में मराठा आरक्षण का मुद्दा काफी चर्चा में है. सरकार को दी गई समय सीमा के अंदर कोई फैसला नहीं लेने पर मनोज जारांगे ने मुंबई में आमरण अनशन का ऐलान किया है. जारांगे ने सरकार को चेतावनी दी है कि 20 जनवरी तक आरक्षण पर फैसला लें, नहीं तो हम आजाद मैदान में भूख हड़ताल करेंगे. वहीं, जारांगे की चेतावनी के बाद मराठा आरक्षण को लेकर सरकार की ओर से आंदोलन में जबरदस्त तेजी आ गई है.

मराठा आरक्षण उपसमिति की अहम बैठक आज होगी. ये बैठक आज शाम 4 बजे होगी. यह बैठक राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के

शेष पृष्ठ 7 पर

अजित पवार के बाद शिरूर लोकसभा सीट पर शिंदे गुट का दावा?

सियासी माहौल गरमाने की आशंका

शिरूर लोकसभा सीट पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार की आपसी दावेदारी के बाद अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उन्हें जवाब देने शिरूर लोकसभा आ रहे हैं. मुख्यमंत्री का शिव संकल्प अभियान 6 जनवरी को शिरूर लोकसभा से शुरू हो रहा है. चर्चा है कि इसके जरिए वह शिरूर लोकसभा में अपनी ताकत दिखाएंगे. इसलिए शिरूर लोकसभा सीट पर शिंदे गुट और अजित पवार गुट के बीच टकराव देखने की आशंका है. वहीं शिवाजीराव पाटिल ने मुख्यमंत्री शिंदे के दौरे की जानकारी दी है.

किसे मिलेगी ये सीट? शिरूर लोकसभा सीट पर महागठबंधन में किसे लड़ना चाहिए, इसे लेकर दावे-प्रतिदावे चल रहे हैं. उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दावा किया है कि हम शिरूर लोकसभा सीट लड़ेंगे और जीतेंगे. दिलचस्प बात यह है कि महागठबंधन में शामिल अजित पवार ने आपसी सहमति से यह दावा किया है. अजित पवार के इसी दावे के बाद अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इस लोकसभा क्षेत्र में रैली कर रहे हैं. इसलिए, उनके समर्थक दावा कर रहे हैं कि शिवाजीराव अदलराव पाटिल शिंदे समूह से उम्मीदवार हैं. क्या बोले पाटिल? इस बारे में बात करते हुए पाटिल ने कहा कि, "अजित पवार के शिरूर लोकसभा उम्मीदवार जो शरद पवार

शेष पृष्ठ 7 पर

लोकसभा की विशेषाधिकार समिति की बैठक 12 जनवरी को;

तीन कांग्रेस सांसदों के निलंबन पर बड़े फैसले के आसार

लोकसभा की विशेषाधिकार समिति तीन कांग्रेस सदस्यों को सदन से निलंबित करने के मुद्दे पर विचार करेगी। अगले सप्ताह आहूत बैठक में सांसदों के निलंबन पर अहम फैसला होने की उम्मीद है। भाजपा सांसद सुनील कुमार सिंह पैनल की अध्यक्षता कर रहे हैं। 12 जनवरी को समिति की बैठक में तीन कांग्रेस सांसदों- के जयकुमार, अब्दुल खालिक और विजयकुमार विजय वसंत के बयान दर्ज किए जाएंगे। बीते 18 दिसंबर को संसद में अशोभनीय आचरण के आरोप में तीनों को

स्पीकर ओम बिरला ने निलंबित कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक 12 जनवरी की बैठक के दौरान 'सदन में गंभीर अव्यवस्था' पैदा करने के आरोपी तीनों कांग्रेस सांसदों को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के समक्ष मौखिक साक्ष्य दर्ज कराने होंगे। बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान 100 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। निलंबित किए गए सांसद, 13 दिसंबर के दिन संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर गृह मंत्री अमित शाह या प्रधानमंत्री मोदी से सदन में बयान की मांग कर रहे थे। स्पीकर ओम बिरला ने तख्तियां लेकर सदन में आने और वेल में घुसकर नारेबाजी पर नाराजगी प्रकट की। गतिरोध खत्म न होने पर दो दिनों में कुल 100 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। स्पीकर की तरफ से लिए गए सख्त एक्शन के मुताबिक 97 सदस्य पूरे शीतकालीन सत्र से निलंबित किए गए, जबकि के जयकुमार, अब्दुल खालिक और विजयकुमार विजय वसंत का

शेष पृष्ठ 7 पर

महिलाओं की सभा को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों दक्षिणी राज्यों के दौरे पर हैं। तमिलनाडु की यात्रा के बाद पीएम मोदी बुधवार को केरल जाएंगे। केरल कांग्रेस प्रमुख के सुरेंद्रन यात्रा के बारे में बताया कि पीएम मोदी विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं के एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसी के साथ वे भाजपा-एनडीए के एक कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं। सुरेंद्रन का दावा-

दक्षिणी राज्यों की इतिहास में पहली बार
महिलाओं का इतना बड़ा कार्यक्रम
सुरेंद्रन का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी

तीन जनवरी को केरल में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं की एक सभा को संबोधित करेंगे। सुरेंद्रन ने बताया कि 'स्त्री शक्ति समागम' कार्यक्रम संसद के दोनों सदनों में महिला आरक्षण विधेयक को सफलतापूर्वक पारित करने के लिए पीएम मोदी को बधाई देने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

शेष पृष्ठ 7 पर

महाराष्ट्र में किस आधार पर I.N.D.I.A अलायंस में होगा सीटों का बंटवारा? किसे-कितनी सीटें मिलेंगी?

मुंबईः महाराष्ट्र में 2024 के लोकसभा सीटों के लिए I.N.D.I.A अलायंस (महाविकास आघाड़ी) के घटक दलों के बीच भले ही बयानबाजी जारी है, लेकिन सीट शेयरिंग पर फैसला इस महीने के अंत तक ही हो पाएगा। मुमकिन है कि कुछ वक्त और लग गए। महाराष्ट्र में उत्तर प्रदेश के बाद सर्वाधिक 48 सीटें हैं। कांग्रेस की कोशिश है कि इस राज्य में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतकर बीजेपी के अगुवाई वाले एनडीए/महायुति (महाराष्ट्र में) को कम सीटों पर रोका जाए। शिवसेना और एनसीपी के टूटने के बाद वर्तमान में सबसे ज्यादा पेचीदी राजनीति महाराष्ट्र में है। 2024 के चुनावों में जहां एक मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच होगा तो वहीं महाराष्ट्र में

दूसरा मुकाबला शिवसेना और एनसीपी के दोनों खेमों के बीच खुद को आगे रखने के लिए होगा।

इन फैक्टर पर तय होगी सीटें?

नवभारत टाइम्स ऑनलाइन को मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र में कांग्रेस को 20 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सीटों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर शिव सेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे) की पार्टी होगी। इसके बाद शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी और फिर प्रकाश अंबेडकर को वंचित बहुजन आघाडी होगा। प्रकाश अंबेडकर के I.N.D.I.A अलायंस में आने पर दो सीटें मिल सकती हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के सह-प्रभारी आशीष दुआ के अनुसार सीट शेयरिंग कोई आसान प्रक्रिया नहीं है। घटक दलों की

शेष पृष्ठ 7 पर

तिरुपति में भक्तों ने दान किए 40 करोड़; सबरीमाला दर्श न के लिए10 जनवरी से कोई स्पॉट बुकिं ग नहीं

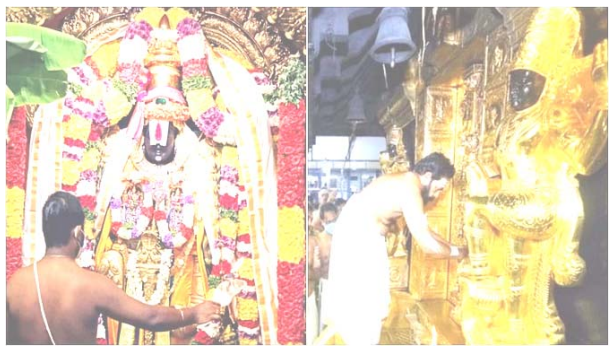

भारत में मंदिर से जुड़ी आस्था के कारण श्रद्धालु करोड़ों रुपये का चढ़ावा अर्पित करते हैं। आंध्र प्रदेश का तिरुपति मंदिर देश के सबसे समृद्ध मंदिरों में गिना जाता है। इस मंदिर में 10 दिनों के भीतर श्रद्धालुओं ने 40 करोड़ रुपये अर्पित किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक चढ़ावे की राशि तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम्स (TTD) को मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि 23 दिसंबर, 2023 से एक जनवरी, 2024 तक 10-दिवसीय वियाकंटादारा दर्शन का आयोजन हुआ। इस दौरान भक्तों ने 40 करोड़ रुपये दान पेटी में डाले। इसे यहां की भाषा में हुंडी का चढ़ावा (hundi collections) कहा जाता है। तिरुपति के अलावा केरल के सबरीमाला से जुड़ी रिपोर्ट भी सामने आई है।

10 दिन में 6.47 लाख भक्तों ने दर्शन किया

दुनियाभर में प्रसिद्ध तिरुपति का प्रसाद- लड्डू 36 लाख बेचा गया। दो लाख से अधिक तीर्थयात्रियों को खास अनुष्ठान की सुविधा प्रदान की गई। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी एवी धर्म रेड्डी ने कहा, वैकंटदवारा दर्शन में रिकॉर्ड संख्या में भक्त उमड़े। 10 दिनों में 6.47 लाख भक्तों ने दर्शन किया। इस दौरान भक्तों को लंबी कतारों में प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी। वैकंटदवारा दर्शन के दौरान सामान्य से अधिक भक्तों को अन्ना प्रसादम (भोजन) भी दिया गया।

सबरीमाला में मकरविलक्कू महोत्सव की तैयारियां

तिरुपति के अलावा हर साल लाखों श्रद्धालु भगवान अयप्पा के दर्शन करने केरल के सबरीमाला मंदिर भी जाते हैं। सबरीमाला में मकरविलक्कू महोत्सव की तैयारियां हो रही हैं। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने एक बयान में कहा कि 10 जनवरी से तीर्थयात्रियों को स्पॉट बुकिंग की सुविधा नहीं मिलेगी। मंदिर प्रबंधन की शीर्ष संस्था- TDB ने कहा कि 15 जनवरी को मकरविलक्कू के दिन वर्चुअल कतार में दर्शन के लिए केवल 40,000 बुकिंग ही कराई जा सकेगी। सबरीमाला में तीर्थयात्री 20 जनवरी तक दर्शन कर सकेंगे

नए इंतजाम को लेकर टीडीबी के अध्यक्ष पीएस प्रशांत ने कहा कि इन नियमों का मकसद मंदिर परिसर यानी सन्निधम में भारी भीड़ से बचना है। मकरविलक्कू के दिन भक्तों को सुचारू और सुरक्षित दर्शन अनुभव सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जा रहा है। महिलाओं और बाल तीर्थयात्रियों को 14 और 15 जनवरी के दिन भगवान अयप्पा मंदिर में जाने से बचने की सलाह दी गई है।

टीडीबी सूत्रों के अनुसार, मकरविलक्कू के बाद सबरीमाला आने वाले तीर्थयात्री 20 जनवरी तक दर्शन कर सकेंगे। इसके बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं।

सरकार-ट्रांसपोर्टर्स के बीच सुलह; ड्राइवर्स तुरंत काम पर लौटेंगे, आश्वासन के बाद हड़ताल खत्म

हिट एंड रन को लेकर नए कानून के खिलाफ आक्रोश के बीच जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। ट्रांसपोर्टर्स ने देशव्यापी हड़ताल की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय गृह सचिव ने उनके साथ बैठक की। बैठक और वार्ता का नतीजा भी तत्काल देखने को मिला। अब ट्रांसपोर्टर तत्काल ड्यूटी पर लौटेंगे। इससे पहले अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस की बैठक पर केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा, ₹हमने आज अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस के प्रतिनिधियों से चर्चा की।

नए कानून की धारा के तहत अभी कार्रवाई नहीं होगी

अजय भल्ला ने कहा, सरकार ये बताना चाहती है कि नए कानून और जुर्माने के प्रावधान अभी लागू नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा, भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(2) लागू करने से पहले अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस से विचार विमर्श किया जाएगा। ड्राइवरों और ट्रांसपोर्टर की चिंताओं को सुनने के बाद ही अंति निर्णय लिया जाएगा।

बैठक के बाद ट्रांसपोर्टर क्या बोले?

अखिल भारतीय मोटर परिवहन कांग्रेस (AIMTC) के अध्यक्ष अमृत लाल मदन ने गृह सचिव के साथ बैठक के बाद गतिरोध खत्म करने की अपील की। उन्होंने ड्राइवरों से कहा, आप सिर्फ हमारे ड्राइवर नहीं, सैनिक हैं। हम नहीं चाहते कि आप किसी भी असुविधा का सामना करें।

खुद गृह मंत्री शाह से मिला आश्वासन

उन्होंने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वस्त किया है कि सरकार, कानून के तहत 10 साल की सजा और जुर्माने के प्रावधान पर रोक लगाएगी। अमृत लाल मदन के मुताबिक अखिल भारतीय मोटर परिवहन कांग्रेस की अगली बैठक तक कोई कानून लागू नहीं किया जाएगा।

कार्यकर्ता संदीप पांडे ने लौटाया मैग्सेसे पुरस्कार, गाजा संघर्ष में अमेरिकी भूमिका की निंदा की

सामाजिक कार्यकर्ता संदीप पांडे ने गाजा में इस्राइली हमलों में अमेरिका की 'भूमिका' के विरोध में प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे पुरस्कार लौटाने की घोषणा की है। यह पुरस्कार उन्हें साल 2002 में दिया गया था। सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) से जुड़े पांडे ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों से हासिल अपनी दोहरी मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री भी लौटाने का फैसला किया है। मैग्सेसे पुरस्कार ने अमेरिकी फाउंडेशन के साथ जुड़ाव के कारण पांडे की चिंताओं को बढ़ा दिया। एक बयान में उन्होंने फलस्तीनी नागरिकों के खिलाफ चल रहे हमले में इस्राइळ के लिए अमेरिका के समर्थन पर अपनी असहजता व्यक्त की। मैग्सेसे पुरस्कार मुख्य रूप से रॉकफेलर फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित है। उन्होंने कहा, 'युद्ध में फलस्तीन के 21,500 से अधिक मारे जा चुके हैं और अमेरिका अभी भी इस्राइल को हथियार बेचना जारी रखे हुए है। फलस्तीनी नागरिकों के खिलाफ मौजूदा हमले में इस्राइल का खुलकर समर्थन करने में अमेरिका की भूमिका को देखते हुए मेरे लिए पुरस्कार रखना असहनीय हो गया है। इसलिए मैं पुरस्कार लौटाने का फैसला कर रहा हूं।' मैग्सेसे पुरस्कार के अलावा, संदीप पांडे ने सिरैक्यूज विश्वविद्यालय को विनिर्माण और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में अपनी दोहरी एमएससी डिग्री और बर्कले में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय को मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री वापस करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अमेरिका एक ऐसा देश है जो मानवाधिकारों का सबसे अधिक सम्मान करता है और अभिव्यक्ति की सर्वश्रेष्ठ स्वतंत्रता प्रदान करता है। लेकिन, दुख की बात है कि यह केवल देश के भीतर सच है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका फैसला अंतरराष्ट्रीय मामलों में अमेरिका के 'दोहरे मानदंडों' से उपजा है, विशेष रूप से इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष पर उसके रुख से। अमेरिकी सरकार के रुख पर निराशा जताते हुए संदीप पांडे ने कहा, 'मुझे कड़ा फैसला लेना पड़ रहा है, क्योंकि मुझे लगता है कि अमेरिका दुनिया की लोकप्रिय राय के विपरीत फलस्तीनियों के खिलाफ अपनी आक्रामकता जारी रखने के लिए इस्राइल को प्रोत्साहित करने के लिए जिम्मेदार है।' पांडे ने फिलिस्तीन के एक संप्रभु राज्य के निर्माण और संघर्ष को हल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसकी मान्यता का आह्वान किया।

उन्होंने अमेरिका से अपने पिछले कार्यों के समान मध्यस्थता की भूमिका निभाने का आग्रह किया, और फलस्तीनियों की पीड़ा को दूर करने में अपनी विफलता की आलोचना की।

तमंचे के बल पर दवा कारोबारी के नौकर से 32 हजार लूटे, आरोपी सीसीटीवी में कैद, पुलिस बता रही संदिग्ध

हाथरस में मेडिकल स्टोर के नौकर ने चार बाइक सवार बदमाशों पर तमंचे के बल पर 32 हजार रुपये और मोबाइल फोन लूटने का आरोप लगाया है। घटना कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के ऐंहन और पुरा के बीच की बताई जा रही है। हालांकि आरोपी मोबाइल फोन को घटनास्थल से 500 मीटर की दूरी पर फेंककर भाग गए। आरोपी बैंक के सीसीटीवी में कैद हुए हैं। पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है। श्याम पुत्र दलवीर सिंह निवासी दरकई थाना चंदपा हाथरस जंक्शन क्षेत्र के लाड़पुर के एक मेडिकल स्टोर पर काम करते हैं। वह दवा की आपूर्ति का काम करता है। उनका आरोप है कि वह 2 जनवरी को ऐंहन के एक मेडिकल स्टोर में दवा देकर लौट रहे थे। रास्ते में चार बाइक सवार बदमाशों ने उनके सामने बाइक लगाकर उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने तमंचे के बल पर उनसे 32 हजार लूट लिए। आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। लूट के आरोपी बैंक के सीसीटीवी में भी कैद हुए हैं। श्याम ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की। पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है। कोतवाली हाथरस जंक्शन के अपराध निरीक्षक के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला कारोबारी विवाद का प्रतीत हो रहा है। श्याम ने बताया कि आरोपियों ने उनके सामने बाइक लगाकर उन्हें रोका। तमंचे के बल पर घटना को अंजाम दिया। आरोपियों ने रुपयों के साथ उनका मोबाइल फोन भी छीन लिया। आरोपी रुपये ले गए, लेकिन मोबाइल फोन को करीब 500 मीटर की दूरी पर सरसों के खेत में फेंक कर भाग गए।

हड़ताल के बीच पेट्रोल लेने पहुंचा युवक, बहस होने पर पंप मालिक ने मारी गोली

ट्रक चालकों की हड़ताल की वजह से पंजाब में पेट्रोल पंपों पर अफरा-तफरी मची है। इस बीच फरीदकोट जिले में भी एक शख्स तेल लेने पेट्रोल पंप पहुंचा। इस दौरान उसकी पंप मालिक से बहस हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि पेट्रोल पंप मालिक ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग कर दी।

गोली लगने से अमरेंद्र सिंह नाम का युवक घायल हुआ है। उसके पैर में गोली लगी है। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना मंगलवार शाम औलख गांव स्थित फरीद किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप की है।

पुलिस ने जानकारी दी कि मोटरसाइकिल में तेल भरवाने तीन युवक आए थे। इनमें से एक के पैर में गोली लगी है।

सूचना के बाद कोटकपूरा के डीएसपी शमशेर सिंह शेरगिल और थाना सदर कोटकपूरा के एसएचओ चमकौर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस की टीम मामले की जांच में जुटी है।

अन्नामलाई ने बताया कि इस मौके पर डाक विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

चीनी नागरिकों की कंपनियों के खिलाफ ईडी की छापेमारी; मोबाइल एप्स से लोन मामले में तेज हुई कार्रवाई

मोबाइल फोन के जरिए पैसा उधार देने वाली चीनी कंपनियां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रडार पर हैं। ईडी चीनी नागरिकों के स्वामित्व वाली संस्थाओं के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत जांच कर रही है। ताजा घटनाक्रम में दो कंपनियों और उनसे जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ ईडी के अधिकारियों ने नए सिरे से तलाशी ली। रिपोर्ट के मुताबिक जांच अधिकारियों ने मोबाइल एप की जांच के साथ-साथ उधार लेने वाले लोगों के निजी विवरण भी खंगाले।

पिछले साल 19 ठिकानों पर ली गई थी तलाशी

मंगलवार को ईडी ने एक बयान में कहा, पिछले साल 21 दिसंबर को दिल्ली-एनसीआर, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब और गुजरात में 19 ठिकानों पर तलाशी ली गई थी। शाइनबे टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसटीआईपीएल), एमपर्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एमएसपीएल) समेत कई अन्य संस्थाओं के खिलाफ भी छापेमारी और तलाशी ली गई थी। ईडी ने कहा, फिनटेक कंपनियां, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और चीनी नागरिकों के स्वामित्व वाले मोबाइल एप कम समय के लिए लोन का ऑफर देकर ग्राहकों को फंसा रहे थे। ऑनलाइन लेन-देन के इन मामलों में लोन लेने वाले लोगों से अत्यधिक ब्याज वसूलने की बात भी सामने आई। भ्रामक और अनैतिक गतिविधियों से ग्राहकों को परेशान किया जा रहा था।

लोन देने के बाद ग्राहकों को धमकी भी देते थे

उधार लेने वाले लोगों के फोन में सहेजी गई तस्वीरों जैसी निजी जानकारियों तक भी चीनी संस्थाओं का एक्सेस था। फोटो गैलरी और फोन नंबर गैरकानूनी तरीके से हासिल करने के बाद ग्राहकों को धमकी दी जा रही थी। पैसे उधार देने वाले लोग शोषण करने के लिए डेटा लीक करने की धमकी देते थे। तस्वीरें को संपादित कर बदनाम करने और फर्जी कानूनी नोटिस भेजने जैसे गंभीर मामले भी सामने आए। ईडी का आरोप है कि इन कंपनियों ने चीनी व्यक्तियों और कंपनियों की तरफ से भारत में 'डमी' निदेशक और ग्राहक बनाए हैं। गलत तरीकों से इनका कारोबार बढ़ रहा है। चीनी नागरिकों ने चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील, कंपनी सेक्रेटरी और सलाहकार जैसे पेशेवरों की मदद से भारत में फिनटेक कंपनियां खड़ी कीं। एनबीएफसी का जटिल जाल भी बुना गया। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला कर्नाटक (बेंगलुरु पुलिस) और तेलंगाना (काजीपेट और जनगांव पुलिस) में दर्ज एफआईआर के बाद सुर्खियों में आया। ईडी के मुताबिक इन राज्यों में तलाशी के दौरान 1.30 करोड़ रुपये नकद और 'आपत्तिजनक' दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए गए थे।

पिछले साल जून में लगभग 6-7 ठिकानों पर तलाशी के बाद 19.43 करोड़ रुपये के बैंक और फिक्स्ड डिपॉजिट जब्त किए गए थे।

आरएमएल अस्पताल में निःशुल्क कंबल वितरण बैंक का उद्घाटन, 'आओ साथ चलें' संस्था ने की पहल

मरीजों का इलाज कराने आए तीमारदारों को दिल्ली की भीषण ठंड से बचाने के लिए मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रमुख संजय मयूख और दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष विष्णु मित्तल ने आरएमएल अस्पताल में निःशुल्क कंबल वितरण बैंक का उद्घाटन किया। इस मौके पर संजय मयूख ने सैकड़ों तीमारदारों को कंबल वितरित किए। 'आओ साथ चलें' संस्था द्वारा निःशुल्क कंबल बैंक कई वर्षों से संचालित हो रहा है। कार्यक्रम में संजय मयूख, विष्णु मित्तल के अलावा दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर संजय मयूख ने कहा कि अस्पताल में बहुत दूर-दूर से लोग इलाज कराने के लिए आते हैं। उनको ठंड से सुरक्षित रखने के लिए कंबल बैंक जैसी पहल बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा जिन लोगों को जरूरत है, उनकी मदद के लिए समर्थ लोगों को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि विष्णु मित्तल की अगुवाई में जिस तरह से मरीजों के सहायकों के लिए निशुल्क भोजन वितरण, कंबल उपलब्ध कराने और इलाज में मदद जैसे सेवा प्रकल्प चलाए जा रहे हैं, वह बहुत ही सराहनीय है। दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष विष्णु मित्तल और आओ साथ चलें संस्था के राष्ट्रीय संयोजक विष्णु मित्तल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की प्रेरणा से अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों की मदद के लिए संस्था कई सेवा प्रकल्प चला रही हैं। ठंड में कंबल बैंक उनमें से एक है। इसके अलावा प्रसादम और वस्त्रम जैसे अभियान भी प्रमुखता से चलाए जा रहे हैं। आओ साथ चलें संस्था द्वारा ठंड में कंबल बैंक बीते कई वर्षो से चलाया जा रहा है। आरएमएल में मरीजों का इलाज कराने आए लोगों को आओ साथ चलें संस्था द्वारा टोकन के माध्यम से बिना किसी पैसे के कंबल उपलब्ध कराए जाते हैं जिससे वे ठंड में अपना बचाव कर सकें। हर साल बड़ी संख्या में अच्छी गुणवत्ता के कंबलो का इंतजाम किया जाता है।

भाजपा का निमंत्रण नहीं चाहिए, अयोध्या में भगवान का कार्यक्रम है, वे बुलाएंगे तो जाऊंगा

अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे श्रीराम मंदिर के उद्घाटन को लेकर भाजपा और सपा में जुबानी जंग तीखी हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या जाने के सवाल पर कहा कि अयोध्या में भगवान राम का कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री भगवान से बड़े नहीं हो सकते। भगवान जिसे बुलाएंगे, वही अयोध्या जा सकेगा। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि भगवान कब किसे बुला लें, कोई नहीं जानता। सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के कार्यक्रम पर अखिलेश ने प्रदेश सरकार पर ये तंज कसे। सपा मुख्यालय पर अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान के कार्यक्रम में भाजपा तय कर रही है कि मेहमान कौन होगा। कौन आएगा और कौन नहीं आएगा। बाकायदा सूची बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के निमंत्रण का इंतजार नहीं रहे हैं। अगर भगवान बुलाएंगे तो जरूर जाएंगे। समाजवादी महिला सभा के कार्यक्रम में भी अखिलेश ने इसी तरह का बयान दिया था। इससे पहले प्रदेश मुख्यालय पर सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने मंगलवार को नव वर्ष पर गीत और संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया। अखिलेश यादव ने कलाकारों को प्रोत्साहित किया और देर तक उनके गीत सुने। पूर्व सांसद एवं हिंदी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कवि एवं लेखक क्रांति का संदेश देते है। उन्होंने अपनी कविताओं का पाठ भी किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री बलराम यादव और राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व सांसद विशंभर प्रसाद निषाद, समाजवादी पार्टी केरल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ साजी पोथेन थामस, नूरपुर से सपा विधायक राम अवतार सैनी, विधायक आशु मलिक, रविदास मेहरोत्रा, एमएलसी जासमीर अंसारी आदि थे।

आरोपपत्र में कहा गया है कि आरोपी अपने संपर्कों के साथ डीआईवाई (डू इट योरसेल्फ) किट साझा कर रहे थे और अपनी आतंकी योजनाओं और डिजाइनों के वित्तपोषण के लिए धन जुटा रहे थे। इसके मुताबिक, उन्होंने युवाओं की भर्ती की और उन्हें आईईडी और हथियारों (छोटे हथियारों) के निर्माण में प्रशिक्षित किया, जिसके लिए उन्होंने आपस में डीआईवाई किट सहित प्रासंगिक सामग्री साझा की। उन्होंने कहा कि एक सैनिक का कर्तव्य और जिम्मेदारी अद्वितीय होती है क्योंकि वह हर दिन मौत का सामना करता है और जानता है कि दुश्मन की गोली कभी भी, कहीं से भी आ सकती है। यह जानते हुए भी वे पूरे दिल और आत्मा से सीमाओं की रक्षा करते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमारे सैनिकों के मन में इस देश और देश के लोगों की सुरक्षा के प्रति प्रेम की भावना है। उनके भीतर भी राष्ट्रीय स्वाभिमान की प्रबल भावना है। समाज के रूप में हम सामूहिक रूप से अपने सैनिकों के ऋणी हैं।

ट्रक-बस के पहिए थमने से प्रभावित हुई जरूरी चीजों की सप्लाई, हाईकोर्ट ने कहा- सरकार ले एक्शन

रन एंड हिट मामले में संशोधित कानून के खिलाफ बस और ट्रक चालकों द्वारा हड़ताल किए जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि विजय कुमार मलिमठ तथा जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ को सरकार की तरफ से बताया गया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद सरकार को हड़ताल समाप्त करवाने के निर्देश जारी किए हैं। याचिकाकर्ता अखिलेख त्रिपाठी और नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा गया था कि हिट एंड रन के प्रकरणों में लागू किए गए नए कानून के विरोध में ट्रक-बस ड्राइवरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ की। चालक की हड़ताल से बस, ट्रक व टैंकरों का संचालक बंद हो गया है, जिसके कारण लोगों तक आवश्यक वस्तु नहीं पहुंची है। हड़ताल के कारण सब्जी, पेट्रोल, दूध सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई बाधित हो रही है। हड़ताल से आम नागरिकों का जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। सरकार की तरफ उपस्थित हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम से संबंधित मामला होने के कारण सरकार संज्ञान लेकर इस पर कार्रवाई करेगी। युगलपीठ ने सरकार को निर्देशित किया है कि तत्काल संज्ञान लेकर कार्रवाई करें और आवश्यक वस्तु की सप्लाई प्रभावित न हो। हड़ताल के कारण किसी प्रकार से लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति न बिगड़े।

यूपी रोडवेज की 6958 बसों में 3812 मंगलवार को नहीं चलीं, लाखों की संख्या में यात्री परेशान

मोटर व्हीकल एक्ट में हिट एंड रन कानून से जुड़े बदलाव के विरोध में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बस चालकों की हड़ताल के चलते मंगलवार को रोडवेज बसों के चक्के लगभग जाम रहे। प्रदेश में 6958 बसों में से 3812 बसों का संचालन नहीं हो सका, इसमें से भी 2732 बसें केवल चालक नहीं मिलने के कारण बंद रही। करीब 55 फीसदी बसों का संचालन बंद रहने से लाखों की संख्या में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। निगम की ओर से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को 6958 बसों का संचालन प्रस्तावित था। इसमें से 3146 बसों का संचालन हुआ जबकि 3812 बसें नहीं चली। निगम के अधिकारी ने बताया कि बस चालकों की हड़ताल के कारण 2732, परिचालक नहीं मिलने से 7, वर्कशाप के कारण 26, यात्री नहीं मिलने के कारण 5, अन्य कारणों से 1038 बसों का संचालन नहीं हुआ। नोएडा में सर्वाधिक 76 प्रतिशत, गाजियाबाद में 70 प्रतिशत,इटावा में 69 प्रतिशत,अयोध्या में 66 प्रतिशत, आगरा में 62 प्रतिशत, प्रयागराज में 61 प्रतिशत और चित्रकूट में 57 प्रतिशत बसों का संचालन नहीं हुआ। निजी बसों के साथ रोडवेज बसें नहीं चलने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हजारों की संख्या में लोगों को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। रोडवेज की ओर से जितनी बसें संचालित की गई उनमें अधिकांश में क्षमता से डेढ़ गुना तक यात्रियों ने सफर किया।

बस स्टैंड पर ही बसों के लिए धक्का मुक्की और भीड़भाड़ की स्थिति रही। निगम के लखनऊ रीजन की 693 बसों में से मात्र 259 ही मंगलवार को रूट पर भेजी जा सकीं।

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई
बुधवार, 03 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

सम्पादकीय

जीरो टॉलरेंस पॉलिसी

केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ा एक्शन किया है। सरकार ने जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी संगठन तहरीके हुर्रियत को UAPA के तहत पांच साल के लिए बैन कर दिया। सरकार का ये फैसला जीरो टॉलरेंस पॉलिसी को दर्शाता है। केंद्र सरकार ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी संगठन तहरीके हुर्रियत को UAPA के तहत पांच साल के लिए बैन कर दिया। कश्मीर के कट्टरपंथी अलगाववादी नेता सैयद अलीशाह गिलानी द्वारा स्थापित इस संगठन की अगुआई 2021 में उनकी मौत के बाद मसरत आलम भट के हाथों में आ गई थी, जो आजकल जेल में है।

गंभीर आरोप : केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह संगठन न केवल कश्मीर में पत्थरबाजी जैसी घटनाएं करवाने और लोगों को भड़काने की कोशिशों में लगा रहता था बल्कि जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करके वहां इस्लामी शासन स्थापित करने की साजिश में भी शामिल था। यह इसके लिए पाकिस्तान से फंड जुटाने में लगा था। इसमे दो राय नहीं कि ये आरोप बेहद गंभीर हैं। कोई भी जिम्मेदार सरकार इन आरोपों को हलके में नहीं ले सकती। पिछले सप्ताह ही बुधवार को सरकार, भट की अगुआई वाली पार्टी मुस्लिम लीग, जम्मू-कश्मीर को भी बैन कर चुकी है।

जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी : केंद्रीय गृह मंत्री ने इस कार्रवाई को मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति से जोड़ते हुए कहा है कि आगे भी अगर कोई संगठन या व्यक्ति भारत विरोधी कार्रवाई में लिप्त पाया जाता है तो उसे तुरंत रोका जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ इस तरह की सख्ती की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता।

इकलौती कार्रवाई नहीं: यह इस तरह की कार्रवाई का कोई पहला या अलग-थलग उदाहरण नहीं है। तहरीके हुर्रियत 17वां संगठन है जिसे UAPA के तहत बैन किया गया है। बैन किए गए अन्य संगठनों में सिख्स फॉर जस्टिस (SFJ), पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (SIMI), जमात-ए-इस्लामी और इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (IRF) शामिल हैं। यही नहीं ऐसे संगठनों के अलावा अब तक 55 व्यक्ति (इंडिविजुअल के तौर पर) UAPA के तहत आतंकवादी करार दिए जा चुके हैं।

क्या है संदेश : सरकार की अब तक की कार्रवाई और उसके रुख से स्पष्ट है कि इस मामले में वह किसी तरह दुविधा, उलझन या संदेह के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ने वाली। केंद्रीय गृह मंत्री की बातों से यह भी संकेत मिलता है कि आगे कुछ और संगठनों के खिलाफ इस तरह के कड़े कदम उठाए जा सकते हैं।

सावधानी भी जरूरी : देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने वाले तत्वों के साथ सख्ती से निपटना वक्त की जरूरत है। इस तरह की असामान्य चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार को असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करना पड़ता है। लेकिन इसी बिंदु पर यह कहना भी जरूरी हो जाता है कि ऐसी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए असाधारण सतर्कता भी बरती जानी चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि ऐसे तत्वों की साजिशों का खामियाजा किसी भी रूप में देश के आम और निर्दोष नागरिकों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में न भुगतना पड़े।

इस रात का अंधेरा छंटने में वक्त लगेगा, यूक्रेन और गाजा 'पावर प्ले' के ऐसे हिस्से बन गए हैं

2024 में क्या हम उन युद्धों का पटाक्षेप होते देख पा रहे हैं, जो कुछ महीने या कुछ वर्ष पहले शुरू हुए थे। आज की दुनिया पूरब-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण के बीच बनी गहरी खाइयों से बाहर आती नहीं दिख रही। ये खाइयां अगर और गहरी हुईं तो संघर्षों की आशंकाएं और उनकी तीव्रताएं और बढ़ जाएंगी। हालांकि ये परिदृश्य नए नहीं हैं बल्कि समूचा इतिहास इनसे भरा हुआ है। इसलिए परिणाम से पहले इनके पीछे के कारणों को जानने की ज्यादा जरूरत होगी। सच जाने बिना इस निष्कर्ष तक पहुंचना मुश्किल है कि रूस-यूक्रेन और इस्राइल-गाजा युद्ध कितनी दूर तक जाएगा।

राजमार्ग की डकैती

पहले यूक्रेन युद्ध की बात करते हैं। 24 फरवरी 2022 की सुबह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने यूक्रेन के दोनबास इलाके में 'सैन्य कार्रवाई' की घोषणा से ठीक पहले अपने भाषण में कहा था कि 1991 में सोवियत यूनियन बिखरा तो रूस पर डाका डाल दिया गया। पूतिन का यह बयान एक तरह से हिटलर के उस आरोप की पुनरावृत्ति था, जिसमें वर्साय की संधि को 'राजमार्ग की डकैती' कहा गया था। उस समय पूतिन सोवियत संघ की पुरानी कड़ियों को जोड़ते हुए अपने ही अंदर एक युद्ध लड़ते हुए दिख रहे थे। यदि ऐसा है तो रूस-यूक्रेन युद्ध अभी अपने अंतिम परिणाम तक नहीं पहुंच पाया है।

प्रतिष्ठा का प्रश्न

दरअसल, मॉस्को-कीव के बीच लड़ी जा रही लड़ाई का सच वह नहीं है जो दुनिया को बताया जा रहा है। यह लड़ाई सिर्फ पूतिन की महत्वाकांक्षाओं की नहीं है बल्कि सोवियत संघ के खंडहर पर उगे स्वतंत्र देशों के बीच रूस की प्रतिष्ठा की है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका, यूरोपीय संघ और नैटो 1991 के बाद से ही रूस को कमजोर बनाने का प्रयास कर रहे हैं और पूतिन रूस को पुराने इतिहास की ओर ले जाने की कोशिश में हैं।

नए समीकरण

चूंकि, अमेरिका और पश्चिमी शक्तियां सीधे टकराने के बजाय अक्सर मोहरों के जरिए युद्ध लड़ती रही हैं, इसलिए लड़ाई कहीं और हो रही है, मगर दिख कहीं और रही है। अब इस लड़ाई का स्वरूप बदल चुका है। अब इसे मॉस्को-पेइचिंग बॉन्डिंग या इससे भी आगे मॉस्को-पेइचिंग-तेहरान-रियाद के बीच बनते समीकरणों के सापेक्ष देखना चाहिए।

रूस की बाजी

एक बात और, नैटो शक्तियां नहीं चाहतीं कि कैस्पियन से ब्लैक सी तक की जियो-स्ट्रैटेजिक बेल्ट में रूस इतना मजबूत हो जाए कि स्ट्रैटिजिक बैलेंस उसकी तरफ शिफ्ट कर जाए। लेकिन पश्चिमी शक्तियां कुछ खास कर पातीं, इससे पहले ही रूस ने क्राइमिया पर कब्जा (वर्ष 2014) कर संतुलन अपने पक्ष में कर लिया। यह रूस की रणनीतिक विजय थी और पश्चिमी दुनिया की पराजय।

लीडरशिप की लड़ाई

इसे स्वीकार कर पाना अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए बहुत मुश्किल था, इसलिए कहीं से युद्ध शुरू होने की जरूरत थी। इस युद्ध की शुरुआत हुई यूक्रेन से। गौर से देखें तो अभी यूरेशियाई क्षेत्र में नियंत्रण और लीडरशिप को लेकर बहुत कुछ साफ नहीं है, इसलिए अभी लड़ाई थमने की उम्मीद भी नहीं करनी चाहिए।

मरती संवेदनाएं

इस्राइल-गाजा संघर्ष भी इसी तरह के इतिहास का एक अध्याय है, जिसे दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान ही लिखना शुरू कर दिया गया था। ताजा संघर्ष में गाजा में अब तक 20 हजार मौतें हुई हैं, 54 हजार से अधिक घायल हैं। मारे गए अधिकतर लोगों में महिलाएं और बच्चे हैं। यह महिलाओं और बच्चों की नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं की मौत है, जिसे न ही मध्य-पूर्व के क्रूर शासक समझ पाएंगे और न ही इस्राइल के चुने हुए नेता। फिर हमास के चरमपंथियों (आतंकवादियों) से तो कोई उम्मीद ही नहीं रह जाती। जब तक इन संवेदनाओं का मर्म समझ में नहीं आएगा, तब तक युद्ध कैसे रुक सकते हैं?

लक्ष्य क्या है

बहरहाल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन यह कह रहे हैं कि गाजा में जारी अंधाधुंध बमबारी के कारण इस्राइल वैश्विक समर्थन खो रहा है। इस्राइली सेना भी मान रही है कि यह अभियान 'मुश्किल' और 'लंबा' होगा।

लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू युद्ध को तब तक जारी रखना चाहते हैं, जब तक वे अपने सभी लक्ष्य हासिल न कर लें। ये लक्ष्य क्या है? लक्ष्य सिर्फ गाजा है या येरुशलम? अगर येरुशलम है तो अभी और कीमतें चुकानी पड़ेंगी?

संकट के जिम्मेदार

वैसे नेतन्याहू यह तो स्वीकार कर रहे हैं कि इस युद्ध के लिए इस्राइल 'बहुत भारी कीमत' चुका रहा है, लेकिन इसके साथ यह भी कह रहे हैं कि 'लड़ते रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।' तो उस क्षेत्र में ऐसा है कौन जो युद्ध नहीं चाहता? इस्राइल, हमास, हिजबुल्ला, ईरान या मध्य-पूर्व के वे देश या संगठन जो मध्य-पूर्व राजनीति पर ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था पर भी खासा प्रभाव रखते हैं? या फिर अमेरिका सहित पश्चिमी दुनिया के वे देश, जो इस मध्य-पूर्व के इस संकट के लिए जिम्मेदार हैं।

लंबी खिंचेगी लड़ाई

हालांकि इजिप्ट की तरफ से युद्धविराम की एक नई त्रिस्तरीय योजना पेश की गई थी, लेकिन अभी तक वैसा कुछ नहीं दिख रहा है जैसे कि इस योजना में था। इसमें दोनों तरफ से बंधकों की रिहाई के अलावा मानवीय राहत और पुनर्निर्माण के लिए एक स्वतंत्र निकाय बनाने की योजना और एक विस्तृत युद्धविराम जैसे विषय हैं, जो जमीन पर नहीं दिख रहे हैं।

कारण यह कि इस्राइल को अभी लंबी लड़ाई लड़नी है, जिसमें उत्तरी गाजा ही नहीं दक्षिणी गाजा और येरुशलम भी शामिल है।

शांति से दूर

यूक्रेन और गाजा 'पावर प्ले' के ऐसे हिस्से बन गए हैं, जिन्हें दुनिया की ताकतें 'क्लिक एंड ब्राउज' पैटर्न पर चलाती हुई दिख रही हैं।

शेष दुनिया भी इसे देखकर हैरान नहीं है, भले ही इन ताकतों के साथ न खड़ी हो।

फिलहाल दुनिया फिर से ग्रेड डिवाइड्स से गुजरती हुई दिख रही है जिसमें आमतौर पर नए किस्म के टकराव होते हैं। ऐसे में यही लगता है कि 2024 युद्ध विराम से अभी दूर ही खड़ा है।

नशा एक अभिशाप है

आज की भागमभाग भरी जिंदगी में मानवीय संवेदनाओं का ह्रास हुआ है। जिसकी वजह से आपसी सौहार्द कम हुआ है, सतही और खोखले रिश्तों के कारण आपसी विश्वास में कमी आयी है। संयुक्त परिवारों में कमी, बाजारवाद और पाश्चात्य संस्कृति का अत्यधिक प्रभाव और नैतिक शिक्षा में कमी की वजह से बच्चे, जवान , बूढ़े आसानी से पथ विचलित हो जा रहे हैं। इसके परिणाम स्वरुप कई बुरी आदतें अपना प्रभाव बच्चों पर छोड़ रही हैं। नशे का सेवन इन बुराईयों में से एक है जो कि हर आयुवर्ग के लोगों को अपनी गिरफ्त में जकड़ रहा है। नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट (एनडीडीटी), एम्स की रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दसक में भारत में नशा करने वालों की संख्या 30 प्रतिशत बढ़ गई है और यह संख्या हर साल बढ़ रही है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत में सोलह करोड़ लोग शराबी हैं और हर साल नशे से करीब साढ़े सात हजार लोग मौत के मुँह में समां जाते हैं। इस नशे के खिलाफ बृहद जनजागरण अभियान की नितांत आवश्यकता है। हमारे चारों ओर ऐसी ही कई घटनाएं घटित होती हैं जो कि नशे की ओर आसानी से खींच लेती हैं। शायद मुझ जैसे कई साथियों में जागरूकता रही होगी जिसके कारण नशे से बचे रहे।

मैं जब कक्षा दस में पढता था तो हमारे इलाके का माहौल बहुत ज्यादा मोटिवेशनल नहीं था, इलाके में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं था जो बच्चों को अच्छी सीख दे सके। हम 10-12 लोग रोज पैदल ही 6-7 किलोमीटर दूर इण्टर कॉलेज में पढ़ने जाते थे। हमारे कई साथी रोज 8 बजे घर से निकलकर पास के जंगल में दिनभर छिप जाते थे और शाम को 3-4 बजे घर आ जाते थे। शायद उन्हें ऐसा करने में मजा आता होगा। इनमे से कई छात्र भांग के पेड़ों से चरस निकालकर बीड़ी में भरकर उसका सुट्टा लगाकर मस्त हो जाते थे। दिनभर आनंदमय रहने का विचारकर और धूप सेंक कर शाम को घर आ जाते थे ? आखिर वे सभी ऐसा क्यों करते होंगे ? वे बच्चे कभी अपने माँ बाप के बारे में नहीं सोचते होंगे क्या ? इनमे से कई तो हाई स्कूल भी नहीं कर पाए। क्या यह उस स्कूल की भी नैतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वे उन बच्चों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यबाही करता, जो महीनों विद्यालय से गायब रहते थे? यह हाल उस दौर में ज्यादातर विद्यालयों का था। उन दिनों हाई स्कूल और इण्टर का रिजल्ट ग्रामीण क्षेत्रों में 20-30 प्रतिशत तक ही रहता था। आज जब सोचता हूँ कि यह डिवाइन डेस्टिनी ही होगी कि में और मेरे एकाध साथी उस माहौल में नशे से कैसे बच गए होंगे। अन्य साथियों को ऐसी कुबुद्धि क्यों आयी होगी ? काश कोई प्रभावशाली व्यक्ति इन सभीको मोटीवेट कर पाता तो शायद वे भी नशे की तरफ नहीं जाते। यह नशा व्यक्ति विशेष के साथ परिवार और समाज को भी बर्बाद कर देता है। आने वाली पीढ़ियां भी नशे के कारण बर्बाद हो जाती हैं। यह गनीमत थी कि उनदिनों गांजा और चरस का ही नशा ग्रामीण क्षेत्रों में था, यदि आज की तरह के महंगे नशे होते तो न जाने समाज की दशा क्या होती ? आज तो हर स्कूल, जिम और खेल मैदान के आस पास नशा करने और करवाने वाले एजेंट मिल ही जायँगे जो कि नए नए बच्चों को अपने जाल में फंसाने के लिए तरह तरह के प्रपंच करते हैं। यह हाल पूरे भारतवर्ष में है और बच्चे नशे की गिरफ्त में आसानी से आ जा रहे हैं। हमें ठोस कदम उठाते हुवे अपने बच्चों को नशे से बचाना होगा।

लत यानी एडिक्शन किसी भी चीज की हो सकती है जैसे हम जैसे लोग काफी चाय पीते हैं , कई बच्चे विडिओ गेम बहुत ज्यादा खेलते हैं ,आजकल कई एडल्ट भी तो घंटों फेसबुक या यू ट्यूब वीडियो देखते हैं, यह सभी चीजें लत कहलाती हैं। इन सभी लतों से आदमी की सृजनात्मक्त का ह्रास होता है।

भारतीय महिलाओं के हाथ लगी निराशा

●भारत की करारी हार, ऑस्ट्रेलिया ने क्लीन स्वीप किया

●लिचफील्ड का शतक , कंगारुओं ने 190 रन से दी मात

बेहतरीन फॉर्म में चल रही फोएबे लिचफील्ड के शतक की मदद से रिकॉर्ड स्कोर बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 190 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। भारतीय महिला टीम का इस तरह से ऑस्ट्रेलिया को वनडे में अपने घरेलू मैदान पर हराने का पिछले 16 साल से चला आ रहा इंतजार बढ़ गया। ऑस्ट्रेलिया की यह भारतीय धरती पर वनडे में लगातार दसवीं जीत है। भारत 2007 के बाद से अपने घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को नहीं हरा पाया है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 338 रन का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। इसके जवाब में भारतीय टीम 32.4 ओवर में 148 रन पर आउट हो गई। लिचफील्ड ने 125 गेंद पर 16 चौकों और एक छक्के की मदद से 119 रन की लाजवाब पारी खेली जबकि हीली ने 85 गेंद पर 82 रन बनाए जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल हैं। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 189 रन जोड़े जो भारत में किसी भी विरोधी टीम का किसी विकेट के लिए सर्वोच्च साझेदारी है। वनडे श्रृंखला से पहले भारतीय टीम ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में जीत दर्ज की थी लेकिन 50 ओवर के प्रारूप में वह अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख पाई। बड़े लक्ष्य के सामने भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने पांचवें ओवर में ही यास्तिका भाटिया (06) का विकेट गंवा दिया जबकि उनकी सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना (29) अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाई। इन दोनों को मेगन शट (23 रन देकर दो विकेट) ने आउट किया।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (03) का खराब प्रदर्शन जारी रहा। जॉर्जिया वेयरहम (23 रन देकर तीन विकेट) ने उन्हें बेथ मूनी के हाथों के कैच आउट कराने के बाद दूसरे मैच में 96 रन की शानदार पारी खेलने वाली रिचा घोष (19) को बोल्ड किया। जेमिमा रोड्रिग्स (25) ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन एशले गार्डनर (38 रन देकर एक विकेट) ने जल्द ही उनके तेवरों पर विराम लगा दिया। अलाना किंग (21 रन देकर दो विकेट) ने अमनजोत कौर (03) और पूजा वस्त्राकर (14) को पवेलियन की राह दिखाई जबकि अनुभवी स्पिनर एनाबेल सदरलैंड (नौ रन देकर दो विकेट) ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट करके ऑस्ट्रेलिया की बड़ी जीत सुनिश्चित की। दीप्ति शर्मा 25 रन बनाकर नाबाद रही। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया तथा श्रेयंका पाटिल (37 रन देकर तीन विकेट) से मिले झटकों के बावजूद सपाट विकेट पर रन बनाना जारी रखा। भारत की तरफ से अमनजोत कौर ने भी दो विकेट लिए लेकिन इसके लिए उन्होंने 70 रन खर्च किए। पहले दो मैच में 78 और 63 रन बनाने वाली लिचफील्ड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। वह जब 62 रन पर खेल रही थी तब अमनजोत की गेंद पर दीप्ति शर्मा ने उन्हें जीवनदान दिया था। दीप्ति ने आखिर में 40वें ओवर में लिचफील्ड को हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच कराया। यह वनडे में उनका 100वां विकेट था। दीप्ति यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की केवल चौथी गेंदबाज हैं। पूजा वस्त्राकर (68 रन देकर एक विकेट) ने 29वें ओवर में हीली को बोल्ड करके भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद पारी के 36वें ओवर में पाटिल ने बेथ मूनी (03) और ताहलिया मैकग्रा (00) को लगातार गेंदों पर पगबाधा आउट किया। एशले गार्डनर के 27 गेंदों में चार चौकों की मदद से 30 रन, एनाबेल सदरलैंड के 21 गेंदों में 23 रन और अलाना किंग की 14 गेंद पर तीन छक्कों और एक चौके की मदद से खेली गई नाबाद 26 रन की आक्रामक पारी से ऑस्ट्रेलिया अपने रिकार्ड को बेहतर करने में सफल रहा।

स्कोरबोर्ड

आस्ट्रेलिया महिला पारी : लिचफील्ड का हरमनप्रीत बो दीप्ति 119, हीली बो वस्त्राकर 82,पैरी पगबाधा बो अमनजोत 16, मूनी पगबाधा बो पाटिल 3,मैक्ग्रा पगबाधा बो पाटिल 0,गार्डनर बो पाटिल 30,सदरलैंड का हरमनप्रीत बो अमनजोत 23, वेयरहैम नाबाद 11,किंग नाबाद 26,**अतिरिक्त** : 28 रन, कुल योग : 50 ओवर में सात विकेट पर 338 रन, **विकेट पतन** :189-1, 209-2, 216-3, 216-4, 256-5, 295-6, 299-7, **गेंदबाजी** : रेणुका 7-0-52-0, वस्त्राकर 10-0 - 68-1, पाटिल 10-0- 57 - 3, कश्यप 3-0 -30 -0, शर्मा 10-0- 53-1, अमनजोत 10 -0- 70-2

भारत : भाटिया बो शट 06, मंधाना का गार्थ बो शट 29, घोष बो वेयरहम 19, कौर का मूनी बो वेयरहम 03 ,जेमिमा का किंग बो गार्डनर 25,दीप्ति नाबाद 25,कौर का लिचफील्ड बो किंग 03,वस्त्राकर बो किंग 14,पाटिल का मैक्ग्रा बो सदरलैंड 02 ,रेणुका सिंह का हीली बो सदरलैंड 00,कश्यप का मूनी बो वेयरहम 08,अतिरिक्त: 14,**कुल**: (32.4 ओवर में ऑल आउट) 148,**विकेट पतन**: 1-32, 2-43, 3-57, 4-72, 5-98, 6-102, 7-128, 8-135, 9-135, 10-148.,**गेंदबाजी**:मेगन शट 6-1-23-2, किम गार्थ 5-0-33-0, जॉर्जिया वेयरहम 6.4-0-23-3, एशले गार्डनर 7-0-38-1, अलाना किंग 5-0-21- 2, एनाबेल सदरलैंड 3-0-9-2

भारतीय गेंदबाजों को दिखाना होगा दम

●दक्षिण अफ्रीका से दूसरा टेस्ट आज से, श्रृंखला गंवाने से बचने के लिए करनी होगी मेहनत

पहले टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद वापसी के लिए भारतीय गेंदबाजों को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां बुधवार से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना होगा ताकि विश्व चैम्पियनशिप अंक तालिका में ऊपर आने का रास्ता बन सके। इस समय विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023, 25 चक्र में दक्षिण अफ्रीका शीर्ष पर है जबकि भारत छठे स्थान पर है। हरफनमौला रविंद्र जडेजा की वापसी से मध्यक्रम संतुलित होगा और बीच के ओवरों में पुरानी कूकाबूरा से वह प्रभावी साबित होंगे। भारत के लिए तीसरे और चौथे तेज गेंदबाज की भूमिका अहम होगी। प्रसिद्ध कृष्णा अभी टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार नहीं हैं और शार्दुल ठाकुर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। बल्लेबाजों में शीर्ष तीन यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर के खराब फॉर्म ने टीम की चिंता बढा दी है। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों के बाउंसर झेलने होंगे। पहले टेस्ट की पहली पारी में केएल राहुल और दूसरी पारी में विराट कोहली को छोड़कर भारत का कोई बल्लेबाज सेंचुरियन में अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर सका। नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में एक हार और एक ड्रॉ के बाद भारत जीत के लिए बेताब होगा। इस मैदान पर हालांकि पिछले छह में से चार मैच भारत गंवा चुका है। पिछले छह सप्ताह कप्तान रोहित शर्मा के लिए अच्छे नहीं रहे हैं जो वनडे विश्व कप फाइनल की हार के बाद उबरने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद सेंचुरियन में ढाई दिन के भीतर टेस्ट में पारी और 32 रन के अंतर से हार ने उनकी समस्याएं बढा दी है। अब ऐसे में नए साल की शुरूआत यहां न्यूलैंड्स पर जीत के साथ करने के लिए वह बेताब होंगे। इस मैदान पर दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा भारी है। इस टेस्ट के बाद विदा ले रहे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर नहीं चाहेंगे कि महेंद्र सिंह धोनी के बाद यहां टेस्ट श्रृंखला ड्रॉ कराने वाले रोहित भारत के दूसरे कप्तान बनें। यहां टॉस की भूमिका अहम होगी क्योंकि तापमान 33 . 34 के बीच है और पिच पर हरी घास है। यह पिच बल्लेबाजों की मददगार हो सकती है जिस पर स्पिनरों को ज्यादा मदद नहीं मिलेगी। ऐसे में जडेजा के फिट होने पर टीम में रविचंद्रन अश्विन को रखने के कोई मायने नहीं है। रोहित को यह भी देखना होगा कि वह अपने विशेषज्ञ बल्लेबाजों पर भरोसा करके शार्दुल और प्रसिद्ध की जगह मुकेश कुमार या आवेश खान को जगह देंगे।

अफगानिस्तान के कोच बने रहेंगे ट्रॉट

काबुल। पिछले कुछ अर्से में अफगानिस्तान के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का करार एक साल के लिए बढा दिया गया है। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ट्रॉट ने जुलाई 2022 में पदभार संभाला था और 2023 के आखिर में उनका 18 महीने का कार्यकाल खत्म हो गया। उनके मार्गदर्शन में अफगानिस्तान ने टी20 एशिया कप 2022 में अच्छा प्रदर्शन किया , पाकिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला जीती और बांग्लादेश को पहली बार वनडे श्रृंखला में हराया। वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और नीदरलैंड को मात दी। अफगानिस्तान टीम इस समय यूएई में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेल रही है। इसके बाद 11 से 17 जनवरी तक भारत में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेलना है।

चेन्नई ओपन : मित्रा से हारने के बावजूद कृष्णन शीर्ष पर

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय मास्टर पी सरवना कुमार चेन्नई ओपन अंतरराष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर में अधिराज मित्रा से हारने के बावजूद शीर्ष पर बने हुए हैं। कृष्णन चार अंक लेकर पांच अन्य ग्रैंडमास्टर फेडोरोव अलेक्सेइ (बेलारूस), ग्लेक इगोर (बेल्जियम), के मुहम्मद (ताजिकिस्तान), मानिक मिकुलास (स्लोवाकिया) और एंगुएन डुक होआ (वियतनाम) के साथ शीर्ष पर है। अलेक्सेइ ने मुरली कृष्णन को हराया लेकिन इगोर को रोहित एस के हाथों पराजय झेलनी पड़ी। मुहम्मद ने कोल्ला भावन और मिकुलास ने श्रीराम आदर्श उप्पाला को मात दी। अंतरराष्ट्रीय मास्टर अरण्यक घोष, वियानी अंतोनियो डिकुन्हा और साहिल डे समेत छह खिलाड़ी दूसरे स्थान पर है।

सीबीआई ने सबूतों के अभाव में आईपीएल सट्टेबाजी से जुड़े दो मामले बंद किए

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 2019 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मे कथित फिक्सिंग से जुड़े दो मामलो को सबूतो के अभाव मे बंद कर दिया। अधिकारियो ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने यह जानकारी मिलने के बाद मई 2022 मे सात लोगो के खिलाफ दो प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की थी कि क्रिकेट सट्टेबाजी मे शामिल व्यक्तियो का एक नेटवर्क पाकिस्तान से मिल रहे इनपुट के आधार पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचो के नतीजो को प्रभावित कर रहा है। सीबीआई ने पहली एफआईआर दिल्ली के रोहिणी स्थित दिलीप कुमार तथा हैदराबाद के रहने वाले गुर्म वासु और गुर्म सतीश के खिलाफ दर्ज की थी।

दक्षिण अफ्रीका में चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका में 14 जनवरी से शुरू होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी जिसमें उसका सामना मेजबान देश के अलावा फ्रांस और नीदरलैंड से होगा। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार इस टूर्नामेंट से पहले 39 सदस्ईय कोर ग्रुप राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग लेगा जो बुधवार से भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरू स्थित परिसर में शुरू होगा। पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम 11 दिन के शिविर के बाद केपटाउन रवाना होगी। दक्षिण अफ्रीका में 28 जनवरी तक चलने वाले टूर्नामेंट से भारतीय टीम को फरवरी में ओडीशा में होने वाले प्रो लीग की तैयारी करने का भी मौका मिलेगा। भारत को प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, स्पेन और आयरलैंड का सामना करना है। भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमारे खिलाड़ी अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने के बाद तरोताजा होकर वापसी कर रहे हैं। हम दक्षिण अफ्रीका के दौरे से हॉकी सत्र की शुरुआत करेंगे। यहां से पेरिस ओलंपिक तक हमारा कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा।

कोर ग्रुप के लिए चुने गए खिलाड़ी इस प्रकार हैः गोलकीपरः कृष्ण बहादुर पाठक, श्रीजेश पीआर, सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान। डिफेंडरः जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप ज़ेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत। मिडफील्डरः मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह। फॉरवर्डः एस कार्ति, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, पवन राजभर।

भारत को 2024 में तेज गेंदबाजों की बड़ी खेप तैयार करने पर ध्यान देना चाहिए: पठान

नई दिल्ली। पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि भारत को 2024 में अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण की बेंच स्ट्रेंथ बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में इस विभाग में उसकी कमजोरी खुलकर सामने आ गई। भारत को पहले टेस्ट मैच में मोहम्मद शमी की बड़ी कमी खली और उसे इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। चोटों से परेशान रहने वाले जसप्रीत बुमराह को शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, भारत को 2024 में तेज गेंदबाजों की अच्छी इकाई तैयार करने की जरूरत है। दक्षिण अफ्रीका में क्या हुआ हम सभी ने देखा। हमारे बैकअप गेंदबाज तैयार नहीं थे। हमें शमी की बहुत कमी खली। भगवान ना करे, अगर बुमराह के साथ कुछ हो जाता है, जैसे कि वह अतीत में चोटिल होते रहे हैं। ऐसे में अगर हमने तेज गेंदबाजों की बड़ी खेप तैयार नहीं की तो हमें उनके (बुमराह और शमी) जैसे अच्छे तेज गेंदबाज नहीं मिलेंगे। आपके पास उच्च स्तर पर खेलने के लिए कम से कम सात या आठ तेज गेंदबाज हमेशा तैयार होने चाहिए। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि भारतीय टीम में युवा और अनुभव का अच्छा मिश्रण होना चाहिए। हमारा ध्यान युवा और अनुभव का अच्छा मिश्रण तैयार करने पर होना चाहिए, क्योंकि इससे हमेशा लाभ मिलता है। युवाओं के उत्साह को कम करने के लिए आपको शांत दिमाग से भी काम करने की जरूरत है।

इज़हार व राजेश प्रथम

मुंबई। वी ने फेस्टिव लकी ड्रा के बहुप्रतीक्षित परिणाम की घोषणा की। विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं श्रीमान किशनगंज के मोहमद इज़हार हुसैन जिन्होंने प्रथम पुरस्कार मे मारुती सेलेरिओ कार जीती, भागलपुर के राजेश कुमार अवं अकबरपुर के श्रीमान सहीद आलम ने दूसरे पुरस्कार मे हीरो कद बाइक जीती।

भारत के साथ हर देश चाहता है एफटीए

यूरोप और ब्रिटेन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से लेकर ओमान और पेरू जैसी छोटी अर्थव्यवस्थाओं वाले कई देश भी भारत के तेजी से बढ़ते बाजार के कारण उसके साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करना चाहते है। एक आर्थिक शोध संस्थान ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने इस रिपोर्ट में कहा कि भारत के साथ एफटीए करने से ये देश कम या बिना किसी आयात शुल्क के भारतीय बाजार तक पहुंच कायम कर सकते है। इससे उनकी कंपनियों को भारतीय बाजार में बिक्री करने में दूसरों के मुकाबले बढ़त मिलती है। भारत वर्तमान में अपना अधिकतर आयात (75 प्रतिशत से अधिक) उन देशों से करता है जिनके साथ उसका एफटीए नहीं है। इसलिए ये समझौते खासकर आकर्षक है क्योंकि वे भारत में महत्वपूर्ण नए बाजार अवसर प्रदान करते है।

रिपोर्ट कहती है, 'हर कोई भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करना चाहता है। अमेरिका, यूरोप, जापान और ब्रिटेन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से लेकर ओमान, पेरू तथा मॉरीशस जैसी छोटी अर्थव्यवस्थाओं वाले देश तक भारत के साथ एफटीए चाहते है। इसकी मुख्य वजह भारत का उच्च आयात शुल्क है जिससे इन देशों के लिए भारत के बड़े तथा तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुंच मुश्किल हो जाती है।' हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को प्रस्तावित एफटीए से निर्यात में बड़ी वृद्धि मिलने की उम्मीद कम है क्योंकि जिन देशों के साथ भारत व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है, वहां पहले से ही आयात शुल्क कम है।

जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, 'मिसाल के तौर पर ब्रिटेन का शुल्क 4.1 प्रतिशत, कनाडा का 3.3 प्रतिशत और अमेरिका का 2.3 प्रतिशत है। वहीं भारत का आयात शुल्क 12.6 प्रतिशत से अधिक है।'

इसके अलावा इन देशों से आयात का एक बड़ा हिस्सा पहले से ही सबसे पसंदीदा देश (एमएफएन) होने की वजह से शून्य शुल्क पर हो रहा है। दूसरी तरफ, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों को एफटीए से अधिक लाभ हो सकता है, क्योंकि वे भारत में अपने उत्पादों को उन उच्च शुल्कों के बिना बेचने में सक्षम होंगे जो भारत आमतौर पर लगाता है।

भारत को ऊर्जा, बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बना रही है भेल

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल (भेल) न केवल भारत को ऊर्जा तथा बुनियादी ढांचा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि रक्षा तथा अंतरिक्ष क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, मंत्री ने सोमवार को बीएचईएल दिवस के अवसर पर नोएडा में नवनिर्मित बीएचईएल सदन का उद्घाटन किया।

पांडेय ने इस अवसर पर 2070 तक 'शुद्ध शून्य' कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को दोहराया और कहा कि नवीनतम प्रौद्योगिकी तथा मानकों के तहत निर्मित यह 18 मंजिला पर्यावरण-अनुकूल हरित भवन पर्यावरण संरक्षण के प्रति बीएचईएल की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

स्थापना के बाद से 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान में बीएचईएल के योगदान को रेखांकित करते हुए पांडेय ने कहा कि कंपनी न केवल भारत को ऊर्जा तथा बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास कर रही है, बल्कि यह रक्षा तथा अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

सेज छोड़ने वाली हार्डवेयर कंपनियों को नियमों में ढील

पुराने उत्पादों के लिए डीपीटी में जाने वाली आईटी कंपनियों को होगा फायदा

सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में किसी कंपनी द्वारा लैपटॉप और डेस्कटॉप जैसे पुराने आईटी हार्डवेयर सामानों को घरेलू शुल्क क्षेत्रों स्थानांतरित करने से जुड़ी पाबंदियों में ढील दी है। सीमा शुल्क कानूनों के लिए एसईजेड को विदेशी क्षेत्र माना जाता है और इन क्षेत्रों से घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) या घरेलू बाजार में सामान लाना आयात के समान है।

आमतौर पर डीटीए की एक कंपनी को एसईजेड से इन सामानों के आयात के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होती है। इन पाबंदियों में ढील देते हुए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि पुराने आईटी हार्डवेयर सामानों (लैपटॉप, डेस्कटॉप, मॉनिटर, प्रिंटर) को किसी कंपनी द्वारा अतिरिक्त इस्तेमाल के लिए लाइसेंस के बिना एसईजेड से डीटीए में स्थानांतरित किया जा सकता है, लेकिन "केवल" डीटीए संचालन में इसका इस्तेमाल किया जाए। साथ ही इन उपकरणों का उपयोग एसईजेड इकाइयों में दो साल तक किया गया हो और यह विनिर्माण की तारीख से पांच साल से अधिक पुरानी न हो।

डीजीएफटी के अनुसार, 'एसईजेड से डीटीए तक प्रयुक्त आईटी परिसंपत्तियों (लैपटॉप, डेस्कटॉप, मॉनिटर, प्रिंटर) की आयात नीति अधिसूचित की गई है।' सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में लैपटॉप और पर्सनल कंप्यूटर के आयात पर लगी पाबंदियों में बदलाव किया था। इसके बाद आयातक मात्रा और मूल्य का विवरण देने पर 'मंजूरी' लेकर विदेशों से आईटी हार्डवेयर का आयात कर सकते हैं।

नई 'आयात प्रबंधन प्रणाली' का मकसद बाजार की आपूर्ति को प्रभावित किए बगैर या बोझिल लाइसेंसिंग व्यवस्था बनाए बिना देश में लैपटॉप, टैबलेट और कंप्यूटर के आयात पर नजर रखना है।

बैंक, आईटी शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 379 अंक टूटा

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 379 अंक टूटकर बंद हुआ। मुख्य रूप से हाल की तेजी के बाद बैंक और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 379.46 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,892.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 658.2 अंक तक लुढ़क गया था।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 76.10 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,665.80 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 नुकसान में जबकि 19 लाभ में रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, विप्रो और

हिंदुस्तान यूनिलीवर में प्रमुख रूप से गिरावट आई। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व और टाइटन शामिल है।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'बाजार में सोमवार को कारोबार समाप्त होने से पहले जो बिकवाली हुई, वह आज जारी रही। इसका कारण एशिया के अन्य बाजारों में नकारात्मक रुख का होना भी है। चीन में विनिर्माण आंकड़ा कमजोर होने तथा लाल सागर में तनाव बढ़ने से धारणा प्रभावित हुई है। लाल सागर में तनाव बढ़ने से वैश्विक व्यापार और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने का जोखिम है।'

नायर ने कहा, 'कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणाम आने शुरू होंगे। इससे पहले, निवेशकों ने मुनाफावसूली की रणनीति अपनायी है। वाहन बिक्री का आंकड़ा उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने से वाहन शेयरों में गिरावट रही। हालांकि, औषधि कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली।'

एचयूएल को 5 राज्यों से जीएसटी नोटिस

इनमें बकाया टैक्स की मांग और जुर्माने से जुड़े नोटिस हैं शामिल

रोजमर्रा के उत्पाद (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) को पांच राज्यों के अधिकारियों से कुल 447.5 करोड़ रुपये के जीएसटी मांग तथा जुर्माना नोटिस मिले हैं।

एचयूएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इन ओदशों के खिलाफ अपील की जा सकती है और कंपनी इसका आकलन करेगी। कंपनी को पिछले सप्ताह शुक्रवार और शनिवार को जीएसटी क्रेडिट की अस्वीकृति, प्रवासियों को दिए जाने वाले भत्ते सहित वेतन आदि जैसे मुद्दों पर विभिन्न राज्यों के जीएसटी अधिकारियों से पांच नोटिस मिले।

एचयूएल के अनुसार, इन जीएसटी मांगों तथा जुर्माना आदेश का कंपनी की 'वित्तीय स्थिति, संचालन या कंपनी की अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।'

डुकाटी इस साल भारत में पेश करेगी आठ नई बाइक

लक्जरी मोटरसाइकिल बनाने वाली इतालवी कंपनी डुकाटी ने मंगलवार को कहा कि वह भारतीय बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इस साल यहां आठ नई बाइक पेश करने की योजना बना रही है।

कंपनी के बयान में कहा कि वह इस साल मल्टीस्ट्राडा वी4 आरएस, डेजर्टएक्स रैली, पैनिगेल वी4 रेसिंग रेप्लिका 2023, डायवेल फॉर बेंटले, मॉन्स्टर 30 एनिवर्सेरियो, पैनिगेल वी4 एसपी2 30 एनिवर्सेरियो 916 के साथ नया स्ट्रीटफाइटर वी4एस 2023 मॉडल लेकर भारत आने वाली है। डुकाटी ने कहा कि इसकी शुरुआत नए साल की पहली तिमाही में स्ट्रीटफाइटर वी4 लेम्बोर्गिनी मॉडल के साथ होगी।

जैक्सन ने अयोध्या एयरपोर्ट पर लगाई सौर परियोजना

ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सक्रिय जैक्सन ग्रुप ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में नवनिर्मित महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 25 किलोवाट क्षमता की 'रूफटॉप' सौर परियोजना लगाई है। इससे हवाई अड्डे के परिचालन के लिए जरूरी बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि इसके साथ, जैक्सन ग्रुप ने हवाई अड्डे पर भरोसेमंद बिजली 'बैकअप' के लिए अत्याधुनिक तीन डीजल जनरेटर (33500 केवीए क्षमता) की भी आपूर्ति की है।

बयान के अनुसार, कुल मिलाकर कंपनी ने हवाई अड्डे को एक परिपूर्ण ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराया है। कंपनी की दोनों सेवाएं अयोध्या के इस नवनिर्मित हवाई अड्डे के निर्बाध संचालन में अहम भूमिका निभा रही है और क्षेत्र के बुनियादी ढांचा विकास तथा सतत वृद्धि के क्षेत्र में योगदान दे रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और वाइस चेयरमैन संदीप गुप्ता ने कहा, 'कंपनी उत्तर प्रदेश की बिजली जरूरत के साथ कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के माध्यम से राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में अहम भूमिका निभा रही है। अयोध्या में हमारी परियोजनाएं उसी दृष्टिकोण को दर्शाती है।

समय के पाबंद दुनिया के टॉप-3 एयरपोर्ट में शामिल हुए हैदराबाद व बेंगलुरु हवाईअड्डे

परिचालन प्रदर्शन और समय की पाबंदी के लिहाज से हैदराबाद एवं बेंगलुरु के हवाई अड्डों को दुनिया के शीर्ष दस हवाई अड्डों में क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रखा गया है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

विमानन क्षेत्र से संबंधित विश्लेषण फर्म सिरियम ने वर्ष 2023 की अपनी ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) समीक्षा रिपोर्ट में भारत के तीन हवाई अड्डों- हैदराबाद, बेंगलुरु एवं कोलकाता के साथ भारतीय एयरलाइन इंडिगो को जगह दी है।

समय पर उड़ान को उस उड़ान के रूप में परिभाषित किया जाता है जो निर्धारित आगमन के 15 मिनट के भीतर पहुंचती है। वहीं हवाई अड्डे के संदर्भ में इसे निर्धारित प्रस्थान के 15 मिनट के भीतर प्रस्थान के रूप में परिभाषित किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 84.42 प्रतिशत ओटीपी के साथ वैश्विक हवाई अड्डों के साथ बड़े हवाई अड्डों की श्रेणी में दूसरे

स्थान पर है। सिरियम ने कहा कि बेंगलुरु का केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 84.08 प्रतिशत ओटीपी के साथ दोनों खंडों में तीसरे स्थान पर है।

अमेरिका का मिनियापोलिस-सेंट पॉल हवाई अड्डा 84.44 प्रतिशत ओटीपी के साथ दोनों सूचियों में शीर्ष पर है। वहीं मध्यम हवाई अड्डों की श्रेणी में कोलकाता का नेताजी सुभाष चंद्र बोस हवाई अड्डा 83.91 प्रतिशत ओटीपी के साथ नौवें स्थान पर है।

इस श्रेणी में जापान का ओसाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 90.71 प्रतिशत ओटीपी के साथ पहले स्थान पर है। अगर एयरलाइन कंपनियों की बात करें, तो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो 82.12 प्रतिशत ओटीपी के साथ शीर्ष पर है। यह किफायती विमानन श्रेणी में आठवें स्थान पर है और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चौथे स्थान पर है।

कम लागत वाले खंड में दक्षिण अफ्रीका की सैफएयर 92.36 प्रतिशत ओटीपी के साथ शीर्ष पर है।

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन पर 22 जनवरी को महाराष्ट्र में सार्वजनिक अवकाश? BJP विधायक की डिमांड

मुंबईः बीजेपी ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन दिवस (Ayodhya Ram Mandir Inauguration) पर राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिन देश भर के लोगों से दिवाली मनाने की अपील की है। बीजेपी विधायक अतुल भातखलकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है, ताकि लोग अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन देख सकें। सीएम को लिखे पत्र में उन्होंने सरकारी और निजी दोनों स्तर पर छुट्टी की मांग की है। उनका कहना है कि छुट्टी होने से यह सुनिश्चित होगा कि हर कोई कार्यक्रम देख सकेगा। भातखलकर ने अपने पत्र में लिखा है कि 22 जनवरी को घर-घर में दिए जलाकर दिवाली मनाने का संकल्प लिया गया है। जो लोग प्रत्यक्ष रूप से अयोध्या नहीं जा पा रहे हैं उन लोगों के लिए भी स्थानीय स्तर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इन कार्यक्रमों शामिल होने के लिए लोगों को मौका मिलना चाहिए। इसके लिए भी सार्वजनिक छुट्टी घोषित होना जरूरी है।

ऐतिहासिक दिन होने वाला है 22 जनवरी 22 जनवरी एक ऐतिहासिक दिन होने वाला है। भगवान राम के मंदिर निर्माण के लिए लगभग 500-550 साल तक संघर्ष चला। इसमें सैकड़ों रामभक्तों ने अपने प्राणों की आहुति दी। इस मंदिर का निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुआ है। सभी राम भक्तों को इस दिन का इंतजार है जब भगवान श्री राम मंदिर में विराजमान होंगे। उस दिन अपने-अपने क्षेत्रों में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। बाला साहेब ठाकरे का सपना था करोड़ों राम भक्तों के साथ-साथ शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे और आनंद दिघे का भी सपना था कि अयोध्या में राम मंदिर बने। रविवार आधी रात को ठाणे में एक रक्तदान शिविर कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि बालासाहेब की जयंती की पूर्व संध्या पर, 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया जा रहा है, जो बालासाहेब को एक बड़ी श्रद्धांजलि होगी।'22 जनवरी को मुंबई में दिवाली मनाई जाए'

22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के मौके पर मुंबई में दिवाली मनाए जाने के निर्देश मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बीएमसी कमिश्नर से कहा है कि राम मंदिर के उद्घाटन के मौके को यादगार बनाने के लिए मुंबई के तमाम मंदिरों और प्रमुख इमारतें पर विद्युत रोशनी की जाए। मुंबई में एक स्वच्छता अभियान को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को किया जाएगा। मैं बीएमसी कमिश्नर से पूरे मुंबई शहर में दिवाली मनाने के लिए कहना चाहता हूं।

राज्य भर में ईंधन की आपूर्ति बंद, मुंबई में 210 पेट्रोल पंप रात तक बंद रहेंगे?

से प्रतिदिन करीब डेढ़ हजार टैंकर भरे जाते हैं। सोमवार को रोजाना की तरह तीनों कंपनियों में ईंधन टैंकर भरने का काम शुरू होने से पहले चालकों ने पिछले दिन से ईंधन भरवाने आए टैंकर चालकों को टैंकर भरकर कंपनी से रवाना किया। मात्र पांच-छह टैंकर भरने के बाद इन टैंकर चालकों ने अचानक काम बंद करने का आह्वान कर दिया। केंद्र सरकार और मोदी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्होंने स्टैंड लिया कि किसी भी कंपनी का एक भी टैंकर नहीं भरने दिया जाएगा। हड़ताल में टैंकर एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए। कंपनी प्रशासन के प्रयास कंपनी प्रबंधन ने टैंकर चालकों से बार-बार हड़ताल वापस लेने का अनुरोध किया। बीपीसीएल के मुख्य प्रबंधक प्रशांत खड़गे ने भी टैंकर चालकों और मालिकों से चर्चा की। उनके साथ टैंकर मालिक नाना पाटिल, संजय पांडे, मुकेश लालवानी, फंटू लालवानी, टैंकर चालक अनिल पगार, अनिल पवार, कैलास टेमगिरे आदि ने चर्चा में भाग लिया. लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इसी तरह की बैठकें इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम में अधिकारी मीना, बर्मन ने भी कीं। हालांकि, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे हड़ताल तभी खत्म करेंगे जब केंद्र कानून वापस ले लेगा। नतीजा यह हुआ कि प्रतिदिन डेढ़ हजार टैंकर भरने वाली तेल कंपनियों के पहले पांच-छह टैंकरों को छोड़कर एक भी टैंकर नहीं बचा। 75 लाख लीटर ईंधन बंद हो गया

मनमाड के पास स्थित तीन महत्वपूर्ण ईंधन कंपनियों से हर दिन हजारों टैंकरों में 75 लाख लीटर पेट्रोल और डीजल राज्य भर में पहुंचाया जाता है। माह के अंत में तीनों कंपनियों से 1200 से 1500 टैंकर भरते हैं। ये जिले हैं प्रभावित नासिक, धुले, जलगांव, अहमदनगर, अकोला, बुलढाणा, नंदुरबार, बीड, औरंगाबाद, जालना, परभणी और नांदेड़।

बस-ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल, ट्रैफिक जाम

हड़ताल पर हैं, जिससे परिवहन व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है. ईंधन न मिलने के कारण पेट्रोल पंपों (petrol pumps) पर लंबी कतारें लग गई हैं.

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए 'हिट एंड रन' कानून के विरोध में देशभर के ट्रक और डंपर ड्राइवर हड़ताल पर चले गए हैं। यह कानून गलत है और उनकी मांग है कि इसे वापस लिया जाये. इसी मांग को लेकर मुंबई, इंदौर, दिल्ली-हरियाणा, यूपी समेत कई जगहों पर ट्रक ड्राइवरों ने अपने ट्रक सड़कों पर खड़े कर दिए हैं और सड़कें जाम कर दी हैं. नया 'हिट एंड रन' कानून क्या है? मोटर वाहन अधिनियम (Motor Vehicles Act) केंद्र सरकार से पारित हो चुका है. नए कानून के मुताबिक, अगर कोई ड्राइवर दुर्घटना करके भाग जाता है और पुलिस को घातक दुर्घटना की रिपोर्ट करने में विफल रहता है, तो ड्राइवर को 10 साल तक की जेल हो सकती है. इससे पहले, आईपीसी की धारा 304ए के तहत आरोपी को केवल दो साल की कैद की सजा होती थी. साथ ही सात लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जाएगा. इसे हिट-एंड-रन कानून कहा जाता है. पहले इस मामले में आरोपी ड्राइवर को कुछ ही दिनों में जमानत मिल जाती थी और वह थाने से ही बाहर निकल जाता था. हालाँकि, इस अधिनियम के तहत दो साल की सजा का भी प्रावधान था. नये कानून के खिलाफ ट्रक चालकों में रोष सरकार के इस फैसले के बाद ट्रक ड्राइवरों में काफी गुस्सा है. उनका कहना है कि ये पूरी तरह से गलत है. सरकार को यह कानून वापस लेना होगा. इसी सिलसिले में ग्रेटर नोएडा के इकोटेक 3 इलाके में ट्रक चालकों ने अपने वाहन खड़े कर सड़क जाम कर दी और नारेबाजी की. हालांकि पुलिस के समझाने पर उन्होंने अपनी गाड़ियां हटा लीं. राज्य भर में पेट्रोल पंपों के बाहर कतारें लगी हुई हैं केंद्र सरकार के नए वाहन अधिनियम के विरोध में देशभर में वाहन चालकों ने तीन दिनों की हड़ताल बुलाई है। हड़ताल से ईंधन आपूर्ति पर असर पड़ा है. इसलिए पुणे शहर के कुछ पेट्रोल पंप सोमवार को बंद हैं. मंगलवार को पेट्रोल नहीं मिलने की अफवाह के कारण सोमवार को खुले पंपों पर पेट्रोल भरवाने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार की रात आपूर्ति बहाल होने के बाद भीड़ कम हुई। इस बीच ड्राइवरों की हड़ताल के कारण ईंधन नहीं मिलने की आशंका और ईंधन की कीमत बढ़ने की अफवाह के कारण भीड़ बढ़ गयी है. हालांकि, अब सप्लाई सुचारु है। ऑल इंडिया पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के प्रवक्ता अली दारूवाला ने कहा कि सभी पेट्रोल पंप खुले रहेंगे. इस बीच, पुणे शहर के कुछ पेट्रोल पंपों पर सोमवार को पूरे दिन वाहनों की भारी कतारें लगी रहीं। तो, कुछ पंप बंद दिखे। मुंबई में ट्रक ड्राइवर हड़ताल पर हड़ताल का असर मध्य प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र में भी देखने को मिला. जहां सरकार द्वारा लाए गए नए कानून के खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन हुआ. उनकी हड़ताल के कारण सड़कों पर भीषण जाम लग गया. इंदौर में भी चक्का जाम मध्य प्रदेश के इंदौर में ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल का असर पेट्रोल पंपों पर भी पड़ा. यहां पेट्रोल पंप पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं. बताया जा रहा है कि ट्रक ड्राइवरों की यह हड़ताल तीन दिनों तक जारी रहेगी. तो ईंधन पेट्रोल पंप तक नहीं पहुंचेगा. खबर फैलते ही लोग पेट्रोल पंप पर पहुंचने लगे, जिससे गाड़ियों की लंबी कतार लग गई. देवास में वाहन चालकों का आक्रोश

मध्य प्रदेश के देवास जिले में बस और ट्रक ड्राइवरों का गुस्सा देखने को मिला. इस बार उन्होंने शहर में दो-तीन जगहों पर सड़क जाम करने की कोशिश की. इसके बाद रसूलपुर बाइपास पर दो घंटे तक सड़क जाम रही और वाहनों की लंबी कतार लग गयी. इधर, पुलिस व प्रशासन के समझाने पर भी चालक नहीं माने तो प्रदर्शन जारी रहा. मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में बस और ट्रक चालकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-39 को जाम कर दिया. बस चालकों की हड़ताल के कारण यात्रियों को भी परेशानी हुई. इसके चलते सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इस दौरान उन्होंने 'काला कानून वापस लो' का नारा दिया.

मराठा आरक्षण उपसमिति की अहम बैठक, मुख्यमंत्री ने जारांगे पाटिल को भेजा निमंत्रण पत्र

नेतृत्व में मुंबई के सह्याद्रि गेस्ट हाउस में होगी. इस बैठक में शामिल होने के लिए मनोज जारांगे को भी पत्र भेजा गया है. हालांकि, मनोज जारांगे ने साफ कर दिया है कि वह इस बैठक में नहीं जाएंगे. इस बारे में बात करते हुए जारांगे ने बताया कि मराठा आरक्षण पर आज चार बजे बैठकें होंगी. हालाँकि, हमने उनसे कहा है कि हमारा अनुरोध है कि आप अपने स्तर पर बैठकें करें, हमारे पास आने के लिए कम समय है. हमें अपना निर्णय बताएं. वे जानते हैं कि हम क्या चाहते हैं. हमारे दो शब्द लीजिए, हमें बस इतना ही कहना है. जारंगे ने कहा है कि आप उन शब्दों को लें, कानून पारित करें, चाहे हम वहां हों या नहीं. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ऑनलाइन संवाद करेंगे. मराठा आरक्षण को लेकर आज पूरे दिन बैठक हो रही है. दोपहर दो बजे वीसी के जरिये मुख्यमंत्री जारांगे की बातचीत होगी.

पृष्ठ 1/8 का शेष

अजित पवार के बाद शिरूर

समूह के सांसद अमोल कोल्हे को हराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, वह तय करेंगे कि उनका उम्मीदवार कौन होगा. हालांकि, मैं शिंदे समूह में रहूंगा. पाटिल ने कहा कि अजित दादा ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह तय है कि वह शिरूर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे. मुख्यमंत्री का दौरा आगे बोलते हुए पाटिल ने कहा कि अजित पवार की घोषणा के बाद जो भी भ्रम पैदा हुआ है कि हम उन्हें जवाब दे रहे हैं, वह वास्तव में सच नहीं है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन 22 सीटों का दौरा करने का फैसला किया है जिन पर पहले शिवसेना ने चुनाव लड़ा था. इस दौरे के दौरान लोगों से मुलाकात कर कार्यकर्ताओं की बैठक ली जाएगी. उसके जरिए मिशन 48 कार्यक्रम चलाया जाएगा. कम से कम 45 सीटों पर महागठबंधन का चुना जाना तय हो गया है. और इसीलिए एकनाथ शिंदे लोकसभा क्षेत्र में बैठक कर रहे हैं. शिरूर लोकसभा सीट पर किसका दावा? उन्होंने आगे कहा, हालांकि अजित पवार ने शिरूर लोकसभा क्षेत्र पर दावा किया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उनके दावे में कुछ भी गलत है. क्योंकि यह उनका जिला है और इस संसदीय क्षेत्र पर उनका दबदबा है. वहीं, मैं भी इस क्षेत्र से चार बार चुनाव लड़ चुका हूं. इसलिए उस निर्वाचन क्षेत्र पर हमारा भी वही दावा है. हालांकि, ऐसा नहीं है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस सीट पर दावेदारी के लिए बैठक कर रहे हैं. इसलिए, अजित दादा अब तय करेंगे कि अमोल कोल्हे को हराने के लिए एनसीपी का उम्मीदवार कौन होगा.

महाराष्ट्र में किस आधार

तरफ से बयानबाजी लाजिमी है, हर दल अधिक सीटें चाहेगा, लेकिन सीट शेयरिंग में कई सारे पैरामीटर शामिल है, मसलन अगर कोई पार्टी किसी सीट पर अपना दावा कर रही है तो उसका आधार क्या है? उस लोकसभा क्षेत्र में उस पार्टी के कितने विधायक हैं, पूर्व में कैसा प्रदर्शन रहा है? उम्मीदवार कौन है, जातीय समीकरण क्या हैं? इसके अलावा वहां पार्टी के विधायक नहीं है तो जिला पंचायत और नगर पंचायत में क्या उसकी मौजूदगी है। दुआ कहते हैं ये सब वे फैक्टर हैं जिनके आधार सीटें का फैसला होगा। मजबूती-विनेबिलिटी हैं फैक्टर दुआ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नेतृत्व ने सीट शेयरिंग के लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनाई है। इसमें अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद और मुकुल वासनिक के साथ मोहन प्रकाश शामिल हैं। इस कमेटी में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति के नेताओं से बातचीत पूरी की है। यह कमेटी अपनी रिपोर्ट कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपेगी। इसके बाद घटक दलों के साथ सीट शेयरिंग पर आगे की बात होगी। दुआ ने कहा कि हमारा पूरा फोकस बीजेपी को हराने पर है। इस पर सभी घटक दल भी एकमत है। ऐसे में मजबूती औश्र विनेबिलिटी ही मुख्य फैक्टर हैं। निश्चित तौर पर वर्तमान में कांग्रेस पार्टी राज्य में एकजुट है। विधानसभा में सबसे ज्यादा विधायक कांग्रेस के पास हैं। पांच साल में बदल गई है तस्वीर

कांग्रेस ने 2019 में लोकसभा चुनावों में शरद पवार की एनसीपी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा था। तब कांग्रेस 25 सीटों पर लड़ी थी। एनसीपी को 19 सीटों पर लड़ी थी। दोनों को कुल पांच सीटें मिली थीं। इनमें कांग्रेस को एक और एनसीपी को चार सीटें मिली थीं। अब कांग्रेस की कोशिश है कि एमवीए के घटक शिवसेना (यूबीटी) और प्रकाश अंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन आघाडी को भी एडजस्ट किया जाए। ऐसे में कांग्रेस के 20 और शिवसेना (UBT) के 16 से 18 और शरद पवार की अगुवाई एनसीपी के 6 से 7 सीटों पर लड़ने की उम्मीद की जा रही है। वंचित बहुजन आघाडी के दो सीटें मिल सकती हैं। 2014 के चुनावों में वंचित बहुजन आघाडी को एक सीट पर जीत मिली थी।

महिलाओं की सभा को

उन्होंने आगे कहा कि विधेयक के ऐतिहासिक रूप से पारित होने के बाद न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी यह अपनी तरह का पहला कार्यक्रम होगा। आंगनवाड़ी शिक्षकों, आशा कार्यकर्ताओं, उद्यमियों, मनरेगा और सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न पृष्ठभूमि की महिलाएं थेक्किनकाडु मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का दावा है कि इसमें दो लाख महिलाएं शामिल होंगी और दक्षिणी राज्य में किसी अन्य राजनीतिक दल ने महिलाओं की इतनी व्यापक मौजूदगी वाले कार्यक्रम का आयोजन कभी नहीं किया है।

लोकसभा की विशेषाधिकार

मामला विशेषाधिकार समिति को भेजा गया। तीनों पर पीठासीन अधिकारी की कुर्सी तक पहुंचने का आरोप है। कार्रवाई के मुताबिक तीनों सदस्यों का निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक समिति अपनी रिपोर्ट लोकसभा स्पीकर को नहीं सौंप देती। राज्यसभा से भी 46 सांसदों का निलंबन गौरतलब है कि शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा से भी 46 सदस्यों को निलंबित किया गया था। इनमें 11 सदस्यों का मामला उच्च सदन की विशेषाधिकार समिति को भेजा गया है। इस समिति की अध्यक्षता उपसभापति हरिवंश के पास है। निलंबन मामले पर राज्यसभा की समिति की बैठक अभी बाकी है। इस विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक, विपक्षी पार्टी के सांसदों- जेबी माथेर हिशाम, एल हनुमंथैया, नीरज डांगी, राजमणि पटेल, कुमार केतकर, जी सी चन्द्रशेखर (सभी कांग्रेस); बिनॉय विश्वम और संदोश कुमार पी. (दोनों सीपीआई), एम मोहम्मद अब्दुल्ला (डीएमके), जॉन ब्रिटास और ए ए रहीम (दोनों सीपीआई-एम) को निलंबित किया गया है।

भिवंडी में नए वर्ष के शुभारंभ पर 182 पियक्कड़ों पर हुई कार्यवाई,वसूला 56 हजार दंड

सिटी न्यूज मुंबई/गनी खान

भिवंडी में पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जमकर धरपकड़ की।31 दिसंबर की रात पुलिस ने 182 बेवड़ो पर केस दर्ज किया है।साथ ही इस दौरान 56 हजार 500 रुपए बतौर दंड भी वसूल किया है। साथ ही नियम कानून को ताक पर रखकर गाड़ी चलाने वाले कई दर्जन वाहन चालकों पर भी केस दर्ज किया। भिवंडी के तीनों यातायात विभाग पुलिस द्वारा 31 दिसंबर की रात जोरदार पुलिस बंदोबस्त लगाया गया था।इस दौरान नियम कानून को ताक पर रखकर व शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 182 वाहन चालकों पर कार्यवाई की गई।जबकि नियम कानून को ताक पर रखकर गाड़ी चलाने वाले वाहन चालकों पर केस दर्ज किया गया।लेकिन सबसे ज्यादा कार्यवाई

भिवंडी शहर यातायात पुलिस द्वारा की गई।वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनीष पाटील ने बताया कि भिवंडी शहर यातायात विभाग ने दारू पीकर गाड़ी चलाने के मामले में 17 लोगों के विरोध में वाहतूक कायदा कलम 185 के तहत दारू पीकर गाड़ी चलाने तथा चालक के पीछे बैठे दोनो लोगो के विरोध में कालम 188 के तहत केस दर्ज किया है। वही 79 वाहन चालको पर 56 हजार 500 रुपये की दंडात्मक कारवाई की गई है।इसी तरह कोनगाव यातायात पुलिस ने कालम 185 के तहत 16 तथा कालम 188 के तहत 11 सहित कुल 27 लोगों के विरोध कार्यवाई किया है।जबकि नारपोली यातायात पुलिस ने 57 दारू पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पहले ही दी गई थी पुलिस द्वारा नसीहत

ठाणे यातायात विभाग के पुलिस उपायुक्त के निर्देश पर भिवंडी की सभी मुख्य नाकों व चौराहों पर 31 दिसंबर की रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक नाइट कर्फ्यू के साथ साथ बेवड़ो पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने जोरदार नाकाबंदी लगाई थी।क्योंकि भिवंडी के डीसीपी नवनाथ ढवले व यातायात पुलिस विभाग के डीसीपी ने 31 दिसंबर की रात में नए वर्ष की स्वागत शांतिपूर्वक मनाने की अपील पहले ही किया था।साथ ही उन्होंने दारू पीकर गाड़ी न चलाने के साथ वाहनों द्वारा रेसिंग न करने की नसीहत दिया था और नियम कानून तोड़ने वालों पर कार्यवाई करने की भी बात की गई थी।

पानी का पाइप डालने के लिए बिना परमिशन सड़क की अवैध तरीके से की खुदाई

सिटी न्युज मुंबई/गनी खानभिवंडी के नारपोली इलाके में पानी का पाइप लाइन डालने के लिए बिना परमिशन अवैध तरीके से सड़क की खुदाई कर मनपा को एक लाख 10 हजार का आर्थिक नुकसान पहुंचाने का मामला उजागर हुआ है।इस मामले में मनपा अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने एक डाइंग मालिक सहित दो पर केस दर्ज किया है।मनपा प्रशासन द्वारा लगातार की जा रही पानी चोरों पर कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार भिवंडी के नारपोली इलाके में शंकर डाइंग नामक प्रोसेस हाउस स्थित है।जिसके मालिक राहुल केडिया व मैनेजर भवानी चौधरी ने आपस में मिलीभगत कर बिना मनपा प्रशासन से किसी प्रकार का परमिशन लिए अवैध तरीके 7 नवंबर को मनपा के डामरीकरण किए गए सार्जनिक रोड को डाइंग में पानी सप्लाई हेतु पाइपलाइन बिछाने के लिए खुदाई की।इस कारण गटर व नाले का दुर्गंधयुक्त पानी रास्ते पर बहने लगा।जिसके कारण जनता की स्वास्थ्य खराब होने के साथ सुगंध के कारण बिमारी फैलने का खतरा पैदा हो गया।इतना ही डाइंग मालिक के उक्त कृत्य के कारण मनपा प्रशासन को 1 लाख 9 हजार 885 रुपए का आर्थिक नुकसान भी हुआ।इस प्रकरण में मनपा पथक प्रमुख विराज मनोहर भोईर ने एक जनवरी को नारपोली पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 432 सहित विभिन्न धाराओं के तहत डाइंग मालिक व मैनेजर पर केस दर्ज कराया है।मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक के.आर.पाटील कर रहे है।इससे पहले कई डाइंग,सायजिग व बिल्डिंगों पर मनपा प्रशासन द्वारा पानी चोरी का केस दर्ज कराया गया है।

बस-ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल, ट्रैफिक जाम

मुंबई. केंद्र सरकार के नए मोटर व्हीकल एक्ट के खिलाफ ट्रक ड्राइवर हड़ताल पर हैं. केंद्र सरकार द्वारा पारित मोटर वाहन अधिनियम का देशभर के बस-ट्रक चालकों ने कड़ा विरोध किया है. महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में ट्रक ड्राइवरों ने बंद बुलाया है. इसका परिणाम कई क्षेत्रों में दिख रहा है. केंद्र सरकार द्वारा लाए गए हिट एंड रन के नए कानून के खिलाफ बस और ट्रक चालक शेष पृष्ठ 7 पर

मनपा की छापेमारी कारवाई,755 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जप्त, 20 हजार रुपये दंड वसूल

सिटी न्यूज मुंबई/गनी खान भिवंडी मनपा आयुक्त अजय वैद्य द्वारा शहर में स्वच्छता अभियान पर विशेष फोकस किया जा रहा है जिसे लेकर शहर में स्वच्छता अभियान, शहर की सफाई के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक पर नियंत्रण एवं कार्यवाही की जा रही है। इस तरह मंगलवार के दिन मनपा की तरफ से प्रभाग समिती नंबर 5 के महावीर इंटरप्राइजेज, मेट्रो ट्रेडर्स दो व्यापारियों की दुकान पर सिंगल यूज प्लास्टिक की बिक्री और उपयोग करने के मामले में छापा मारकर कुल 755 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त किया गया।

प्लास्टिक जब्ती कर और प्रत्येक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना वसूल करते हुए कुल 20 हजार रूपए वसूल किए गए।साथ ही पान टपरी पर साफ-सफाई न रखने और गीले कचरे व सूखे कचरे के लिए दो डिब्बे का इस्तेमाल न करने पर दंडात्मक कार्रवाई की गई। मनपा द्वारा इस कारवाई में सहायक आयुक्त फैसल ततली, वार्ड स्वास्थ्य निरीक्षक शशिकांत घाडगे, स्वास्थ्य निरीक्षक उत्तम जाधव, रूपेश गायकवाड़ और सुमित कांबले, अभिराज भालेराव सहित सभी मुकादम शामिल रहें। मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि व्यापारी, दुकानदार, फेरीवाले के साथ-साथ नागरिक सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें, यदि इस तरह की हरकत में कोई पकड़ा गया तो पहले तीन बार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और फिर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राज्य भर में ईंधन की आपूर्ति बंद, मुंबई में 210 पेट्रोल पंप रात तक बंद रहेंगे?

मुंबईः केंद्र सरकार (central government) के खिलाफ ट्रक-टैंकर ड्राइवरों(truck-tanker drivers) द्वारा बुलाई गई हड़ताल का (strike called) असर अब पूरे राज्य में देखने को मिल रहा है। इससे राज्य में ईंधन आपूर्ति बाधित हो गयी है। इसका नतीजा मुंबई में भी देखने को मिला है। बृहन्मुंबई नगर निगम (Brihanmumbai Municipal Corporation) क्षेत्र के 210 पंपों में से आधे बंद होने लगे हैं। पेट्रोल पंप ओनर्स एसोसिएशन (Owners Association) ने जानकारी दी है कि अगर रात तक सप्लाई शुरू नहीं हुई तो सभी पंप बंद कर दिये जायेंगे।

12 जिलों में ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई

सोमवार को तीनों कंपनियों का एक भी टैंकर ईंधन लेकर नहीं जा सका, क्योंकि केंद्र सरकार द्वारा पारित नए सड़क दुर्घटना सुरक्षा अधिनियम (Road Accident Safety Act) को दमनकारी और अनुचित बताते हुए

मनमा के पास नागापुर इलाके के पनवाड़ी में तेल कंपनियों के ड्राइवर हड़ताल पर चले गए। इस हड़ताल के कारण मनमाड इलाके के तेल संयंत्र से राज्य के 12 जिलों को ईंधन की आपूर्ति रोक दी गई है, जिससे ईंधन की कमी का संकट पैदा हो गया है।

टैंकर चालकों का कहना है कि केंद्र के नए कानून के मुताबिक, अगर ईंधन टैंकर या ट्रक से कोई दुर्घटना होती है और चालक दुर्घटनास्थल से भाग जाता है, तो चालक को 10 साल की कैद और बिना जमानत के 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। टैंकर चालकों ने इसका कड़ा विरोध जताया है और इस कानून को वापस लेने के लिए टैंकर चालकों ने सोमवार सुबह हथियार उठा लिया। टैंकर मालिकों ने भी इस आंदोलन का समर्थन किया। इसके चलते राज्य के बारह जिलों में तीन कंपनियों हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन पनेवाडी, नागापुर शेष पृष्ठ 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486